मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 121
बुधवार, 13 नवम्बर 2024
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshakti.co.in

कांग्रेस की सोच ने किसानों को किया बदहालः पीएम मोदी

सोलापुर, 12 नवम्बर। महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। मोदी ने कहा कि महाराष्ट्र को महायुति की स्थिर सरकार की जरूरत है जिसका एकमात्र उद्देश्य राज्य का विकास है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आपको याद रखना चाहिए कि जिस वाहन पर एमवीए के लोग यात्रा कर रहे हैं वह सबसे अस्थिर है। वे आपस में लड़कर अपना समय बर्बाद करते हैं। उन्होंने कहा कि जब महाराष्ट्र की आस्था और संस्कृति में विश्वास करने वाली महायुति की सरकार काम करती है, तो कैसे कैसे परिणाम आते हैं, सोलापुर के लोगों ने ये देखा है। सोलापुर के लोग जिस विकास की मांग दशकों से कर रहे थे, जो प्रोजेक्ट्स दशकों से लटके थे, महायुति सरकार ने उन्हें पूरा कर-के दिखाया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि देश-विदेश से आने वाले लोगों को यहां हुए विकास कार्यों से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। हमारे सोलापुर में पालकी यात्रा की बहुत प्राचीन परंपरा है, पहले यात्रियों को बहुत परेशानी होती थी। पालकी महामार्ग का निर्माण करवाकर इस परेशानी को हल करने का सौभाग्य भी हमें ही मिला है। उन्होंने कहा कि ये बदलाव केंद्र की भाजपा और महाराष्ट्र की महायुति सरकार के कामों से संभव हुआ है। आज हम विकसित महाराष्ट्र से विकसित भारत के निर्माण की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि महाराष्ट्र को अगले 5 साल तक महायुति की ऐसी सरकार की

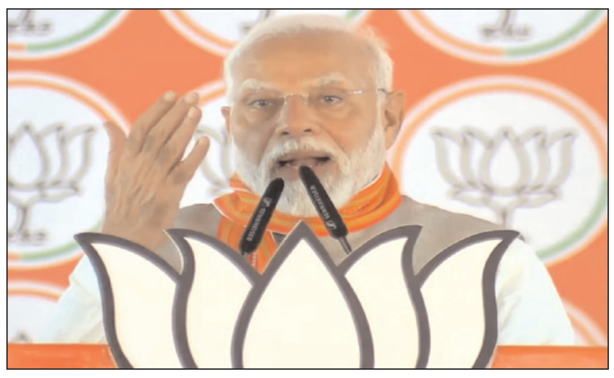

जरूरत है, जो स्थिर हो, जिसका एकमात्र लक्ष्य महाराष्ट्र का विकास हो। स्थिर सरकार ही महाराष्ट्र के लिए दूरगामी नीतियां बना पाएगी।

मोदी ने कहा कि आप सब देख रहे हैं कि अघाड़ी में कैसे भगदड़ मची हुई है। अभी से अघाड़ी में मुख्यमंत्री पद के लिए खींचतान, नूराकुश्ती चल रही है। एक पार्टी पूरे दिन अपने नेता को मुख्यमंत्री बताने में लगी रहती है। दूसरी पार्टी और कांग्रेस वाले उनकी दावेदारी खारिज करने में लगे रहते हैं। उन्होंने तंज भरे लहजे में कहा कि चुनाव से पहले जिनका ये हाल है, वो अघाड़ी वाले महाराष्ट्र को कभी भी स्थिर सरकार नहीं दे सकते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने दशकों तक देश पर राज किया है। लेकिन उनकी सोच थी - समस्याओं को बनाए रखना, लोगों को समस्याओं में उलझाए रखना। कांग्रेस की इसी सोच ने महाराष्ट्र के किसानों को बदहाल बनाए रखा।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि हमारी सरकार देश में गन्ना किसानों के लिए काम कर रही है। इथेनॉल इकोनॉमी के जरिए हम गन्ना किसानों के लिए कमाई के नए रास्ते बना रहे हैं। क्या मोदी के पीएम बनने के बाद आई इथेनॉल तकनीक? नहीं, यह पहले भी था लेकिन पिछली सरकार ने इस पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि आज पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण बढ़कर 15% हो गया। लक्ष्य 20% के लक्ष्य तक पहुंचने का है। पिछले 10 वर्षों में हमने इथेनॉल खरीद के माध्यम से गन्ना किसानों को 80,000 करोड़ रुपये दिए हैं।

मोदी ने कहा कि इस इलाके में सिंचाई के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने आप लोगों को बहुत तरसाया है। हमने यहां किसानों की सिंचाई की समस्या को दूर करने पर फोकस किया। हमारे प्रयासों से सोलापुर जिले के कई गांवों का जलस्तर बढ़ रहा है। महायुति सरकार ने किसानों के बिजली के बिल माफ कर दिए।

हमारी कोशिश है कि अब किसानों को बिजली का बिल भरना ही न पड़े। इसलिए हम हर खेत तक सोलर ऊर्जा पहुंचाने में जुटे हैं। उन्होंने कहा कि हम महिलाओं को जन-कल्याण की सभी योजनाओं के केंद्र में रखकर काम कर रहे हैं। आज पीएम आवास योजना के तहत बनने वाले घर महिलाओं के नाम पर बन रहे हैं।

संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे है भाजपा और आरएसएसः राहुल गांधी

नई दिल्ली, 12 नवम्बर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) संविधान को खत्म करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। गांधी ने कहा कि वह गारंटी के साथ कह सकते हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संविधान नहीं पढ़ा है, अन्यथा वह उसमें लिखी बातों का सम्मान करते। कांग्रेस नेता गांधी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के पूर्वी हिस्से में स्थित गोंदिया में एक चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे।

गांधी ने कहा कि लोगों को मोदी से पूछना चाहिए कि पिछले 10 सालों में उन्होंने कितने किसानों का ऋण माफ किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में यदि विपक्षी महा विकास आघाडी की सरकार सत्ता में आयी तो सोयाबीन और कपास के किसानों को उनकी फसलों का उचित दाम एवं गरीबों को स्वास्थ्य बीमा मिलेगा।

लोकसभा चुनाव के दौरान मोदी ने महाराष्ट्र में जहां-जहां रैलियां कीं, भाजपा वहां-वहां हारी : शरद पवार

जलगांव, 12 नवम्बर। राकांपा (शरदचंद्र पवार) सुप्रीमो शरद पवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा महाराष्ट्र की उन 10-12 सीटों पर हार गई, जहां पार्टी के शीर्ष नेता (मोदी) ने चुनावी रैलियों को संबोधित किया था। मोदी चुनाव प्रचार के लिए मंगलवार को महाराष्ट्र के दौरे पर हैं। उनका चंद्रपुर जिले के चिमुर, सोलापुर और पुणे में विभिन्न चुनावी रैलियों को संबोधित करने का कार्यक्रम है। जलगांव में संवाददाताओं से बातचीत में पवार ने प्रधानमंत्री की रैलियों से जुड़े सवाल पर कहा, चुनावी रैलियों को संबोधित करना प्रधानमंत्री का अधिकार है। इस

पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, लेकिन एक बात ध्यान में रखिये, लोकसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री ने (महाराष्ट्र में) 16 रैलियों को संबोधित किया था और भाजपा उन 10-12 सीटों पर हार गई, जहां उन्होंने रैलियां की थीं। तो, उन्हें आने दीजिए। इस साल संपन्न लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र में भाजपा की सीटों की संख्या घटकर नौ रह गई। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में पार्टी ने राज्य की 23 सीटों पर कब्जा जमाया था। पवार ने जाति आधारित राजनीति को बढ़ावा देने के महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के आरोप को खारिज किया। राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख ने कहा, उन्हें (राज ठाकरे) चुनाव से कुछ महीने पहले थोड़ा महत्व दिया जाता है। इसलिए, मैं उन्हें गंभीरता से नहीं लेता। पवार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता रावसाहेब दानवे पर भी निशाना साधा, जिनका एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वह एक समर्थक को लात मारते हुए दिखे थे।

क्या यूपी में एक समय में परीक्षा कराने के लिए बुनियादी सुविधाओं का अभाव है : मायावती

लखनऊ, 12 नवम्बर। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ. एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में जारी छात्रों के आंदोलन के प्रति समर्थन जताते हुए बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने मंगलवार को पूछा कि क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है। मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया, उत्तर प्रदेश संघ लोक सेवा आयोग द्वारा पीसीएस तथा आरओ-एआरओ की भी प्रारंभिक परीक्षा-2024 एक समय में कराने में विफलता को

लेकर आक्रोशित छात्रों पर पुलिस कार्रवाई से उत्पन्न स्थिति संबंधी खबर का व्यापक चर्चा में रहना स्वाभाविक है।

उन्होंने सरकार से पूछा, क्या उप्र के पास एक समय में परीक्षा कराने की बुनियादी सुविधाओं का इतना अभाव है कि पीसीएस आदि जैसी विशिष्ट परीक्षा दो दिन में करानी पड़ रही है? पेपर लीक पर रोक व परीक्षाओं की विश्वसनीयता अहम मुद्दा है, जिसके लिए एक बार में ही परीक्षा व्यवस्था जरूरी है। सरकार इस ओर ध्यान दे। मायावती ने साथ ही कहा कि गरीबी, बेरोजगारी व महंगाई आदि की गहरी मार झेल रहे छात्रों के प्रति सरकार का रवैया क्रूर नहीं बल्कि सहयोग एवं सहानुभूति का होना चाहिए। मायावती ने कहा कि सरकार खाली पड़े सभी बैकलाग पर जितनी जल्दी भर्ती की प्रक्रिया पूरी करे, उतना बेहतर होगा।

उन्होंने कहा कि लोगों को रोजी-रोजगार की सख्त जरूरत है। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के पीसीएस प्री और आरओ..एआरओ की परीक्षा दो दिन में संपन्न कराने के निर्णय के विरोध में सोमवार को शुरू हुआ छात्र आंदोलन प्रयागराज में यूपीपीएससी मुख्यालय के सामने आज दूसरे दिन भी जारी है। देर रात जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस आयुक्त ने आयोग में बैठक की, जो बेनतीजा रही। आंदोलनकर्मी छात्रों ने रात खुले आसमान के नीचे गुजारी और मंगलवार की सुबह फिर से धरना प्रदर्शन में जुट गए। जो छात्र छात्राएं रात में अपने घर चले गए थे, वे मंगलवार की सुबह आयोग के मुख्यालय के गेट पर पुनः एकत्रित हो गए और आंदोलन शुरू कर दिया। प्रतियोगी छात्रों ने सोमवार सुबह से यहां लोक सेवा आयोग के गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू किया। दिन ढलने के साथ हजारों की संख्या में छात्रों ने मोबाइल फोन की टार्च जलाकर एकता दिखाई। आयोग ने पिछले मंगलवार को इन परीक्षाओं की तिथियों की घोषणा की। जहां पीसीएस प्री की परीक्षा के लिए सात और आठ दिसंबर की तिथि घोषित की गई है, वहीं समीक्षा अधिकारी व सहायक समीक्षा अधिकारी (आरओ..एआरओ) प्री की परीक्षा के लिए 22 और 23 दिसंबर की तिथि घोषित की गई है।

निमार्णाधीन पुलिया से कार गिरी, चार लोगों की मौत

तिनसुकिया, 12 नवम्बर। असम के तिनसुकिया जिले में मंगलवार को निमार्णाधीन पुलिया से एक कार के गिर जाने के कारण उसमें सवार पांच वर्षीय एक बच्चे समेत कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि एक परिवार के छह सदस्यों को ले जा रही कार सुबह करीब चार बजे तिनसुकिया-डिब्रूगढ़ बाईपास पर दिहिंगिया गांव के पास निमार्णाधीन पुलिया से गिर गई। उन्होंने बताया, वाहन में छह यात्री सवार थे और पांच वर्षीय बच्चे सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें तत्काल उपचार के लिए डिब्रूगढ़ के असम मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया है।

बिहार का रहने वाला यह परिवार डिब्रूगढ़ से एक विवाह समारोह में शामिल होने तिनसुकिया जा रहा था और यह दुर्घटना हो गई।

मृतकों की पहचान मोहन शाह, राजेश गुप्ता, मोंटू शाह और अर्थव गुप्ता (बच्चे) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने कहा, हमारा मानना है कि यह घटना घने कोहरे के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाने और सड़क पर उचित संकेतक न लगे होने की वजह सेहुई। स्थानीय लोगों ने खास कर अधूरी पुलिया और आधे अधूरे बाईपास को लेकर चिंता व्यक्त की है।

गंगा महोत्सव : सांस्कृतिक कार्यक्रम में कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियों ने बांधा समां

- गंगा की लहरें खुद ब खुद में एक संगीत है : रविंद्र जायसवाल
- कहा, गंगा महोत्सव देश-दुनिया के लोगों का कार्यक्रम बन चुका है

सुरेश गांधी

वाराणसी। जाह्नवी के तट मंगलवार को अस्सी घाट पर गंगा पूजन के साथ गंगा महोत्सव कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस मौके पर कलाकारों ने भक्ति की भावना से ओतप्रोत गीतों पर शानदार प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सूबे के स्टांप एवं न्यायालय पंजीयन शुल्क राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविंद्र जायसवाल ने दीप प्रज्वलित की।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में बनारस घराना के पद्म भूषण पंडित साजन मिश्र का शास्त्रीय गायन, सुश्री आराधना सिंह का भजन एवं लोकगायन, डॉ सुप्रिया का सितार वादन, पारसनाथ यादव का बिरहा गायन, विपुल चौबे का लोक गायक, शंकर विश्वकर्मा का भजन गायन के अलावा डॉ यास्मीन सिंह दिल्ली का कथक नृत्य, तेलंगाना हैदराबाद की सुश्री हिमांशी कतराड्डा का कुच्चीपूड़ी, काशी रस बैंड का शास्त्रीय वादन तथा कोलकाता विदुषी डॉ नवनीता चौधरी का शास्त्रीय गायन व नृत्य की शानदार प्रस्तुतियों ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया। मंत्री ने कहा कि गंगा के तट पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला गंगा महोत्सव कार्यक्रम अब काशी ही नहीं बल्कि देश-दुनिया के लोगों का कार्यक्रम बन चुका है। लोग इस कार्यक्रम का इंतजार करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि संगीत के सरगम का उद्गम यदि गंगा की लहरों से होना कहा जाए, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। गंगा की लहरों से ही वाद्य, नृत्य एवं नाट्य बना और सांस्कृतिक कलाकारों का वास भी गंगा के किनारे बना। गंगा की लहरें खुद ब खुद में संगीत है। उन्होंने मां गंगा का गुणगान करते हुए कहा कि यह कोई साधारण नदी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की जीवन रेखा है। अपने उद्गम स्थल से 2323 किमी की यात्रा तय कर गंगा नदी जहां-जहां से गुजरी, उनके किनारे ही लोग बसे और मानव सभ्यता का विकास हुआ। लोगों को रोजी-रोजगार भी मिला। काशी के गंगा घाटों की छटा पूरी दुनिया में विख्यात है। इससे पूर्व मंत्री रविंद्र जायसवाल, एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल सहित अन्य लोगों ने विधिवत गंगा गंगा पूजन कर मां गंगा की आरती उतारी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) आलोक कुमार वर्मा के अलावा भारी संख्या में काशी के गणमान्य एवं संगीत प्रेमी लोग उपस्थित रहे।

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

-ललित गर्ग

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरूआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी

निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्त्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है।

गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण ह्यअविरल धाराह्ण (सतत प्रवाह), ह्यनिर्मल धाराह्ण (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान ह्यनमामि गंगेह्ण में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है। दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

ह्यनमामि गंगेह्ण परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल कर-के स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है। यह खबर आई थी कि सरकार 2022 तक गंगा नदी में गंदे नालों के पानी को गिराने से पूरी तरह रोक देगी और इस मसले पर एक मिशन की तरह काम चल रहा है। लेकिन ताजा स्थितियां एवं गंगा का प्रदूषण बताता है कि इस नदी के निर्मलीकरण के लिए चलाई जाने वाली योजनाओं की उपलब्धि वास्तव में कितनी है? नीतियों और योजनाओं के बरक्स उन पर अमल की यह तस्वीर राजनीति इच्छाशक्ति एवं प्रशासनिक लापरवाही को ही दशार्ती है। अन्यथा क्या कारण है कि नदियों के प्रदूषण को दूर करने के क्रम में सबसे ज्यादा जोर गंगा को स्वच्छ बनाने पर ही दिया गया, मगर इसका हासिल आज भी संतोषजनक नहीं है। सही मायनों में आज गंगा के उद्धार के लिये सरकार के साथ-साथ हर भारतीय को भगीरथ जैसा दायित्व निभाना होगा। तभी सदियों से अविरल बह रही जीवनदायी गंगा की प्रतिष्ठा एवं पवित्रता भी फिर से स्थापित हो सकेगी। फिर एनजीटी को यह न कहना पड़ेगा कि फलां जगह का गंगाजल आचमन करने लायक नहीं रह गया है।

पुष्कर मेले में जीवंत होती है लोक संस्कृति

-रमेश सर्राफ धमोरा

09 से 15 नवम्बर तक मेले पर विशेष

राजस्थान में त्यौहारों, पर्वो एवं मेलों की अनूठी परम्परा एवं संस्कृति है वैसी देश में अन्यत्र कहीं मिलना कठिन है। यहां का प्रत्येक मेला एवं त्यौहार लोक जीवन की किसी किवदन्ती या किसी ऐतिहासिक कथानक से जुड़ा हुआ है। इसलिए इनके आयोजन में सम्पूर्ण लोक जीवन पूरी सक्रियता से भाग लेता है। इन मेलों में राजस्थान की लोक संस्कृति जीवन्त हो उठती है। इन मेलों के अपने गीत हैं, जिनके प्रति जन साधारण की गहरी आस्था दृष्टिगोचर होती है। इससे लोग एकता के सूत्र में बंधे रहते हैं। राजस्थान में अधिकांश मेले पर्व व त्यौहार के साथ जुड़े हुए हैं।

मेलों का महत्व देवताओं एवं देवियों की आराधना को लेकर भी है क्योंकि देवांचन से मानव को शान्ति प्राप्त होती है। वैसे तो राजस्थान के विभिन्न भागों में बहुत बड़ी संख्या में मेले आयोजित किए जाते हैं, परन्तु कुछ गिने-चुने मेलों का अपना ही महत्व होता है। यहां के धार्मिक मेलों में सम्बंधित धर्म अनुयायियों के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोग एवं अन्य जाति के लोग भी खुलकर भाग लेते हैं। अजमेर से लगभग 11 कि.मी. दूर हिन्दुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल पुष्कर है। यहां पर कार्तिक पूर्णिमा को मेला लगता है, जिसमें बड़ी संख्या में देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं। पुष्कर मेला कार्तिक शुक्ल एकादशी से पूर्णिमा तक लगता है। मेलों के रंग राजस्थान में देखते ही बनते हैं। ये मेले मरुस्थल के गांवों के कठोर जीवन में एक नवीन उत्साह भर देते हैं। लोग रंग-बिरंगे परिधानों में सज-धजकर जगह-जगह पर नृत्य गान आदि समारोहों में भाग लेते हैं। यहां पर काफी मात्रा में भीड़ देखने को मिलती है। लोग इस मेले को श्रद्धा, आस्था और विश्वास का प्रतीक मानते हैं। पुष्कर मेला थार मरुस्थल का एक लोकप्रिय व रंगों से भरा मेला है। पुष्कर झील भारतवर्ष में पवित्रतम स्थानों में से एक है। प्राचीनकाल से लोग यहां पर प्रतिवर्ष कार्तिक मास में एकत्रित हो भगवान ब्रह्मा की पूजा उपासना करते हैं।

पुष्कर मेले का एक रोचक अंग ऊंटों का क्रय-विक्रय है। निस्संदेह अन्य पशुओं का भी व्यापार किया जाता है। परन्तु ऊंटों का व्यापार ही यहां का मुख्य आकर्षण होता है। मीलों दूर से ऊंट व्यापारी अपने पशुओं के साथ में पुष्कर आते हैं। सम्भवतः यह ऊंटों का संसार भर में सबसे बड़ा मेला होता है। कार्तिक के महीने में यहां लगने वाला ऊंट मेला दुनिया में अपनी तरह का अनूठा तो है ही साथ ही यह भारत के सबसे बड़े पशु मेलों में से भी एक है। मेले के समय पुष्कर में कई संस्कृतियों का मिलन सा देखने को मिलता है। एक तरफ तो मेला देखने के लिए विदेशी सैलानी बड़ी संख्या में पहुंचते हैं, तो दूसरी तरफ राजस्थान व आसपास के तमाम इलाकों से आदिवासी और ग्रामीण लोग अपने-अपने पशुओं के साथ मेले में शरीक होने आते हैं।

मेला रेत के विशाल मैदान में लगाया जाता है। ऊंट मेला और रेगिस्तान का नजदीकी रिश्ता है। इसलिए ऊंट तो हर तरफ देखने को मिलते ही हैं। लेकिन कालांतर में इसका स्वरूप एक विशाल पशु मेले का हो गया है। इसलिए लोग ऊंट के अलावा घोडे, हाथी, और बाकी मवेशी भी बेचने के लिए आते हैं। सैलानियों को इन पर सवारी का लुत्फ मिलता है। मेला स्थल से परे पुष्कर नगरी का माहौल एक तीर्थनगरी सरीखा होता है। कार्तिक में स्नान का महत्व हिंदू मान्यताओं में वैसे भी काफी ज्यादा है। इसलिए यहां साधु भी बडी संख्या में नजर आते हैं। मेले के शुरुआती दिन जहां पशुओं की खरीद-फरोख्त पर जोर रहता है। वहीं बाद के दिनों में पूर्णिमा पास आते-आते धार्मिक गतिविधियों का जोर हो जाता है। श्रद्धालुओं के सरोवर में स्नान करने का सिलसिला भी पूर्णिमा को अपने चरम पर होता है।

पुष्कर मेले के दौरान इस नगरी में आस्था और उल्लास का अनोखा संगम देखा जाता है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है और पुष्कर मेला राजस्थान का सबसे बड़ा मेला माना जाता है। पुष्कर मेले की प्रसिद्धि का अनुमान इस बात से ही लगाया जा सकता है कि ऐतिहासिक धरोहरों के रूप में ताजमहल का जो दर्जा विदेशी सैलानियों की नजर में है। ठीक वही महत्व त्यौहारों से जुडे पारम्परिक मेलों में पुष्कर मेले का है। पुष्कर को इस क्षेत्र में तीर्थराज कहा जाता है। क्योंकि यहां समूचे ब्रह्मांड के रचयिता माने जाने वाले ब्रह्मा जी का निवास है। पुष्कर के महत्व का वर्णन पद्मपुराण में मिलता है। इसके अनुसार एक समय ब्रह्मा जी को यज्ञ करना था। उसके लिए उपयुक्त स्थान का चयन करने के लिए उन्होंने धरा पर अपने हाथ से एक कमल पुष्प गिराया। वह पुष्प अरावली पहाडियों के मध्य गिरा और लुढकते हुए दो स्थानों को स्पर्श करने के बाद तीसरे स्थान पर ठहर गया। जिन तीन स्थानों को पुष्प ने धरा को स्पर्श किया वहां जलधारा फूट पडी और पवित्र सरोवर बन गए। सरोवरों की रचना एक पुष्प से हुई इसलिए इन्हें पुष्कर कहा गया। प्रथम सरोवर कनिष्ठ पुष्कर, द्वितीय सरोवर मध्यम पुष्कर कहलाया। जहां पुष्प ने विराम लिया वहां एक सरोवर बना, जिसे ज्येष्ठ पुष्कर कहा गया। ज्येष्ठ पुष्कर ही आज पुष्कर के नाम से विख्यात है। पुष्कर में लगभग चार सौ मंदिर हैं। इसीलिए इसे मंदिर नगरी भी कहा जाता है। कई आस्थावान लोग पुष्कर परिक्रमा भी करते हैं। सुबह और शाम के समय यहां आरती होती है। वह दृश्य अत्यंत मनोहारी होता है। इतनी विशेषताओं के कारण पुष्कर को तीर्थराज कहने के अलावा देश का पांचवां धाम भी कहा जाता है। पुष्कर सरोवर में कार्तिक पूर्णिमा पर पर्व स्नान का बडा महत्व माना गया है। क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा पर ही ब्रह्मा जी का वैदिक यज्ञ संपन्न हुआ था। तब यहां सम्पूर्ण देवी-देवता एकत्र हुए थे। इस पावन अवसर पर पर्व स्नान की परम्परा सदियों से चली आ रही है। जिस प्रकार प्रयाग को तीर्थराज कहा जाता है उसी प्रकार से इस तीर्थ को पुष्करराज कहा जाता है। महाभारत में पुष्कर राज के बारे में लिखा है कि तीनों लोकों में मृत्यु लोक महान है और मृत्यु लोक में देवताओं का सर्वाधिक प्रिय स्थान पुष्कर है। चारों धामों की यात्रा कर-के भी यदि कोई व्यक्ति पुष्कर सरोवर में डुबकी नहीं लगाता है तो उसके सारे पुण्य निष्फल हो जाते हैं। यही कारण है कि तीर्थ यात्री चारो धामों की यात्रा के बाद पुष्कर की यात्रा जरूर करते हैं। तीर्थ राज पुष्कर को पृथ्वी का तीसरा नेत्र भी माना जाता है। पुष्कर नगरी में विश्व का एकमात्र ब्रह्मा मंदिर है तो दूसरी तरफ दक्षिण स्थापत्य शैली पर आधारित रामानुज संप्रदाय का विशाल वैकुंठ मंदिर। इनके अलावा सावित्री मंदिर, वराह मंदिर के अलावा अन्य कई मंदिर हैं। पास में ही एक छोटे से मन्दिर में नारद जी की मूर्ति। एक मन्दिर में हाथी पर बैठे कुबेर तथा नारद की मूर्तियां हैं।

ब्रह्मवैवर्त पुराण में उल्लिखित है कि अपने मानस पुत्र नारद द्वारा सृष्टिकर्म करने से इनकार किए जाने पर ब्रह्मा ने उन्हें शाप दे दिया कि तुमने मेरी आज्ञा की अवहेलना की है। अतः मेरे शाप से तुम्हारा ज्ञान नष्ट हो जाएगा और तुम गन्धर्व योनि को प्राप्त कर-के कामिनियों के वशीभूत हो जाओगे। तब नारद ने भी दुःखी पिता ब्रह्मा को शाप दिया कि आपने बिना किसी कारण मुझे शाप दिया है। अतः मैं भी आपको शाप देता हूं कि तीन लोक में आपकी पूजा नहीं होगी और आपके मंत्र, श्लोक कवच आदि का लोप हो जाएगा। तभी से ब्रह्मा जी की पूजा नहीं होती है। मात्र पुष्कर क्षेत्र में ही वर्ष में एक बार उनकी पूजा-अर्चना होती है। हिन्दुओं के लिए पुष्कर एक पवित्र तीर्थ व महान पवित्र स्थल है। वर्तमान समय में इसकी देख-रेख की व्यवस्था सरकार ने सम्भाल रखी है। अतः तीर्थस्थल की स्वच्छता बनाए रखने में भी काफी मदद मिली है। यात्रियों की आवास व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है। यहां आने वाला हर तीर्थयात्री यहां की पवित्रता और सौंदर्य की मन में याद संजो कर ही लौटता है।

कृषि में महिलाओं को सशक्त बनाती नमो ड्रोन दीदी योजना

-प्रियंका सौरभ

नमो ड्रोन दीदी सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन में योगदान दे सकती है। भारत का कृषि क्षेत्र प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के एकीकरण के साथ परिवर्तन के शिखर पर है। ड्रोन प्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित करने वाली नमो ड्रोन दीदी जैसी योजनाएँ सटीक कृषि और संसाधन अनुकूलन के माध्यम से खेती को आधुनिक बनाने की क्षमता प्रदान करती हैं, जो कृषि में प्रमुख चुनौतियों का समाधान करती हैं। ड्रोन उर्वरकों और कीटनाशकों के सटीक अनुप्रयोग को सक्षम करते हैं, अपव्यय को कम करते हैं और समान वितरण सुनिश्चित करते हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन रासायनिक उपयोग में 30% तक की कमी सुनिश्चित करते हैं। ड्रोन फसलों की वास्तविक समय की निगरानी की अनुमति देते हैं, फसल के स्वास्थ्य, मिट्टी की स्थिति और समय पर हस्तक्षेप के लिए प्रारंभिक रोग का पता लगाने पर डेटा प्रदान करते हैं। आंध्र प्रदेश में, ड्रोन ने कीटों के हमलों का समय पर पता लगाने के कारण फसल के नुकसान को 20% तक कम करने में मदद की। ड्रोन फसल के विकास पैटर्न, मिट्टी के स्वास्थ्य और उपज के अनुमान पर सटीक डेटा प्रदान करते हैं, जिससे खेत प्रबंधन और निर्णय लेने में सुधार होता है। वैश्विक स्तर पर, ड्रोन तकनीक ने कृषि सहित कई उद्योगों में क्रांति ला दी है। भारत में, ड्रोन में अपार संभावनाएं हैं: वे बड़े क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर सकते हैं, फसलों की निगरानी कर सकते हैं, बीमारियों या कीटों का पहले से पता लगा सकते हैं, और कीटनाशकों और उर्वरकों के सटीक उपयोग की सुविधा प्रदान कर सकते हैं। यह सटीक खेती का तरीका पारंपरिक खेती के तरीकों से जुड़ी लागत और बबार्दी को कम करते हुए फसल की पैदावार को बढ़ाता है।

हालांकि, भारतीय कृषि में ड्रोन को अपनाना धीमा रहा है। उच्च लागत, सीमित जागरूकता और ग्रामीण क्षेत्रों में अपर्याप्त तकनीकी बुनियादी ढांचे ने व्यापक कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न की है। इन चुनौतियों का समाधान करने के लिए, नमो ड्रोन दीदी योजना न केवल ड्रोन तकनीक को बढ़ावा देती है बल्कि ग्रामीण महिलाओं को सशक्त भी बनाती है।

महाराष्ट्र में तैनात ड्रोन ने किसानों को पैदावार का बेहतर अनुमान लगाने और उत्पादकता बढ़ाने में सक्षम बनाया। ड्रोन पोषक तत्वों जैसे इनपुट के परिवर्तनीय दर अनुप्रयोग की अनुमति देते हैं, विशिष्ट क्षेत्र की जरूरतों के अनुसार समायोजन करते हैं, इनपुट दक्षता को अधिकतम करते हैं। उत्तर प्रदेश में, ड्रोन-सहायता प्राप्त खेती ने किसानों को मिट्टी की उर्वरता भिन्नताओं के आधार पर उर्वरकों को सटीक रूप से लागू करने में सक्षम बनाया, जिससे पोषक तत्वों के उपयोग की दक्षता में वृद्धि हुई। ड्रोन तकनीक में स्वचालन कीटनाशकों या उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मानवीय त्रुटि को कम करता है, जिससे अधिक प्रभावी संचालन होता है। मध्य प्रदेश में एक पायलट परियोजना ने कीटनाशक छिड़काव में कम त्रुटियों को दिखाया, जिससे फसल की उपज में 15% सुधार हुआ। ड्रोन मिट्टी में नमी के स्तर का आकलन करने में मदद करते हैं, जिससे सटीक सिंचाई की सुविधा मिलती है, जिससे पानी का संरक्षण होता है और यह सुनिश्चित होता है कि केवल आवश्यक क्षेत्रों में ही पानी मिले।

ड्रोन-सहायता प्राप्त सिंचाई ने गुजरात के जल-दुर्लभ क्षेत्रों में पानी के उपयोग को 15% तक कम कर दिया। इनपुट लागत में कमी: उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे इनपुट के सटीक उपयोग से, किसान लागत बचाते हैं, जिससे बेहतर संसाधन प्रबंधन में योगदान मिलता है। पंजाब में स्वयं सहायता समूह ने नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत ड्रोन का उपयोग करके इनपुट पर 20% लागत बचत की सूचना दी। ड्रोन कीटनाशकों और उर्वरकों के छिड़काव जैसे कार्यों में मैनुअल श्रम की आवश्यकता को कम करते हैं, जिससे किसानों को श्रम लागत में कटौती करने और परिचालन दक्षता में सुधार करने में मदद मिलती है। नमो ड्रोन दीदी के तहत ड्रोन सेवाओं को अपनाने के बाद हरियाणा के किसानों ने श्रम व्यय में 25% तक की कमी का अनुभव किया। ड्रोन तकनीक बड़े खेतों में छिड़काव और निगरानी जैसे कार्यों के लिए आवश्यक समय को काफी कम कर देती है, जिससे समग्र कृषि उत्पादकता में सुधार होता है।

राजस्थान में, ड्रोन की सहायता से कीटनाशक के छिड़काव ने संचालन में लगने वाले समय को 7 दिनों से घटाकर 2 दिन कर दिया, जिससे उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। ड्रोन सटीक कीट प्रबंधन में मदद करते हैं, कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को कम करते हैं, जिससे दीर्घकालिक मिट्टी और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य में सुधार होता है। तमिलनाडु के किसानों ने ड्रोन-सहायता प्राप्त कीट प्रबंधन प्रणालियों का उपयोग करके फसल की गुणवत्ता में 10% सुधार की सूचना दी। नमो ड्रोन दीदी योजना खेती को आधुनिक बनाने, सटीक कृषि को बढ़ाने और इष्टतम संसाधन उपयोग सुनिश्चित करने में प्रौद्योगिकी-आधारित कृषि की अपार क्षमता को प्रदर्शित करती है। उचित कार्यान्वयन और समर्थन के साथ, ऐसी पहल भारत के कृषि क्षेत्र को स्थिरता और बढ़ी हुई उत्पादकता की ओर ले जा सकती हैं।

हालाँकि भारत कृषि में ड्रोन को एकीकृत करने वाला पहला देश नहीं है, लेकिन तकनीक के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने पर इसका ध्यान अद्वितीय है। निरंतर सरकारी समर्थन, बेहतर बुनियादी ढाँचे और किसानों की बढ़ती जागरूकता के साथ, नमो ड्रोन दीदी योजना में खेती को आधुनिक बनाने, खाद्य सुरक्षा बढ़ाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की क्षमता है। इन चुनौतियों का समाधान करके, यह पहल लैंगिक समानता और ग्रामीण तकनीकी उन्नति को बढ़ावा देते हुए कृषि उत्पादकता को बढ़ावा देने की मांग करने वाले अन्य विकासशील देशों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

नमो ड्रोन दीदी योजना, पारंपरिक रूप से पुरुष-प्रधान क्षेत्रों में ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने का एक अग्रणी प्रयास है। यह पहल महिलाओं को प्रशिक्षण प्रदान करती है, जिससे वे ड्रोन संचालित करने और स्थानीय किसानों को आवश्यक कृषि सेवाएँ प्रदान करने में सक्षम हो जाती हैं। कृषि आधुनिकीकरण के साथ महिला सशक्तिकरण को जोड़कर, यह योजना सामाजिक प्रगति और आर्थिक विकास दोनों को बढ़ावा देती है। इस योजना में भाग लेने वाली महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों में संगठित किया जाता है, जहाँ वे हवाई सर्वेक्षण, सटीक कृषि तकनीक और कीटनाशक छिड़काव सहित ड्रोन संचालन में कौशल हासिल करती हैं। ये ऑपरेशन न केवल फसल की पैदावार में सुधार करते हैं, बल्कि महिलाओं को एक स्थायी आय भी प्रदान करते हैं, लैंगिक समानता को बढ़ावा देते हैं और उनकी वित्तीय स्वायत्तता को बढ़ाते हैं। जैसे-जैसे ये महिलाएँ ड्रोन तकनीक को अपनाती हैं, वे बढ़ते कृषि-तकनीक क्षेत्र में सक्रिय योगदानकर्ता बन जाती हैं।

वैचारिक चिंतन,संघर्षों की अतः प्रज्ञा को जीवंत रखिए

संजीव ठाकुर

विचार और सिद्धांत व्यक्ति के अंदर की अतः प्रज्ञा होती है इन सिद्धांतों तथा अंतः विचारधारा को जनमानस तक पहुंचने से बाधित न किया जाए अन्यथा यह अंतरात्मा को प्रभावित करती है। और इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। यदि यही सिद्धांत और अंतःप्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर प्रस्फुटित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति सुकरात हुआ करते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है। भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं।

विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं। तब वह अकेला नहीं रह जाता। वह अपने विचारों के माध्यम से जन सामान्य को प्रभावित कर लोगों को उस लड़ाई में शामिल कर लेता है, जिस लड़ाई के वह कभी अकेले नहीं लड़ सकता था। विचारों सिद्धांतों की तीव्रता आवेश तथा सघनता किसी भी क्रांतिकारी लक्ष्य की प्राप्ति में एक बड़ा साधक हो सकता है। विचार व सिद्धांत एक से दूसरे व्यक्ति तक स्थानांतरित होते रहते हैं। जिसमें विचारों को सघनता प्राप्त होती है। ताकि सत्ता के दमन के समय वैचारिक अमरता स्थाई बनी रहे। चीन उत्तर कोरिया जैसे राष्ट्रों में विचारों के इस स्वतंत्र का प्रवाह को बाधित नियंत्रित कर दिया गया। अभिव्यक्ति के तमाम माध्यमों को प्रतिबंधित कर दमन चक्र चलाया गया। वहां विचार और सिद्धांत विद्वान व्यक्ति तक ही सीमित रहे उसका फैलाव या विस्तार नहीं हो पाया। जो मानव समाज तथा मानव अधिकारों की संवेदना तथा धाराओं का उल्लंघन भी है। किसी स्वस्थ,स्वतंत्र राष्ट्र के लिए व्यक्ति समाज और राष्ट्र के विचारों की स्वतंत्रता नवीनता तथा उत्कृष्टता अत्यंत आवश्यक है। क्योंकि विचारधारा और सिद्धांतों को रोक पाना किसी भी सत्ता या निरंकुश राजा के नियंत्रण में नहीं होता। विचारों और सिद्धांत अनादि काल से गतिशील है तथा अनंत तक जगत तक गतिशील रहेंगे,और उसका प्रतिपादक एवं अनुशीलन कर्ता विचारों के साथ अमर हो जाते हैं।

योगी आदित्यनाथ सपा प्रमुख के खिलाफ ऐसे बुन रहे हैं सियासी जाल

भारतीय जनता पार्टी के नेता और खासकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आजकल समाजवादी पार्टी को हिंदुत्व के नाम पर तो घेर ही रहे हैं इसके अलावा अखिलेश राज में फैली अराजकता, जंगलराज, उनके कार्यकाल में हुए दंगों की भी याद जनता को दिला रहे हैं। यह कहा जा सकता है कि अखिलेश को चौतरफा घेरने की तैयारी चल रही है ।हरियाणा वाला जादू यूपी में चल गया तो सपा प्रमुख अखिलेश यादव के लिये आगे की सियासी राह मुश्किल हो जायेगी। उप चुनाव में बीजेपी और योगी की यह रणनीति सफल रही तो इसका उप चुनाव में तो पार्टी को फायदा होगा ही 2027 में होने वाले यूपी विधान सभा चुनाव के लिये भी इसे आगे बढ़ाया जा सकता है। दरअसल, योगी और अन्य बीजेपी के नेता उप चुनाव को 2027 के चुनाव का रिहर्सल मानकर चल रहे हैं, उप चुनाव के नतीजे बीजेपी के पक्ष में आते हैं तो लोकसभा चुनाव से उत्साहित अखिलेश बैकफुट पर आ सकते हैं। उधर, बीजेपी का लोकसभा चुनाव के नतीजों का गम भी काफी कम हो जायेगा। इसी बात को ध्यान में रखकर योगी अपनी रैलियों में लगातार सपा सरकार के समय के गुंडाराज, समाजवादी पार्टी के नेतृत्व व नेताओं की आपराधिक की परतें उधेड़ रहे हैं। वह अंबेडकरनगर की कटेहरी, मीरजापुर की मझवां और प्रयागराज की फूलपुर या अन्य विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित सभा में समाजवादी पार्टी को जहां अपराधी, दुष्कर्मी, माफिया का प्रोडक्शन हाउस बता रहे हैं, वहीं सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को इसका सीईओ और पार्टी महासचिव शिवपाल यादव को ट्रेनर करार दे रहे हैं। सपा के पीडीए के नारे की अपने हिसाब से व्याख्या करते हुए योगी पीडीए का अर्थ है ह्यप्रोडक्शन हाउस ऑफ दंगाई एंड अपराधीह्ण बताते हैं। वह कहते हैं कि अतीक अहमद, मुख्तार अंसारी, खान मुबारक सपा के इसी प्रोडक्शन हाउस की उपज थे। इसी के साथ योगी बार-बार याद दिलाते हैं कि बंटेंगे तो कटेंगे और एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे, इसलिए एकजुट रहिए। भाजपा प्रत्याशी धर्मराज निषाद के समर्थन में आयोजित सभा में मुख्यमंत्री ने यहां तक कहा कि कांग्रेस-सपा वाले महापुरुषों का सम्मान नहीं करते हैं। एक साल पहले भाजपा 31 अक्टूबर को जब राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में वल्लभ भाई पटेल की जयंती मना रही थी तो सपा और उसके मुखिया भारत विभाजन के जिम्मेदार जिन्ना की जयंती मना रहे थे। इन्हें जिन्ना प्यारा है, क्योंकि उसने भारत का विभाजन कराया था। योगी बताते हैं कि एससी-एसटी पर सर्वाधिक अत्याचार सपा शासन के दौरान हुए। 2015-16 में इन लोगों ने एससी-एसटी के बच्चों की छात्रवृत्ति रोक दी थी, उसे भी हमने शुरू कराया। कांग्रेस व सपा का इंडी गठबंधन देश व समाज के लिए खतरनाक है, इसलिए हरियाणा में जनता ने उन्हें नहीं आने दिया और भाजपा की हैट्रिक लगाई। प्रयागराज के फूलपुर में भाजपा प्रत्याशी दीपक व मिजार्पुर के मझवां में शुचिस्मिता के समर्थन में आयोजित सभा में सपा को सीधे निशाने पर लिया।

कालीना विधानसभा के विकास के लिए अमरजीत सिंह ने मांगे वोट

मुंबई (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे महायुति के उम्मीदवारों की तरफ से चुनाव प्रचार में तेजी देखी जा रही है। प्रत्याशी चौकसभा के साथ-साथ लगातार पैदल यात्रा कर जनता से अपने लिए समर्थन मांग रहे हैं। कालीना विधानसभा क्षेत्र से महायुति के प्रत्याशी अमरजीत सिंह पार्टी कार्यकताओं के साथ झोपड़पट्टी, अलग-अलग हाउसिंग सोसायटी और इमारतों में जाकर मतदाताओं से मुलाकात कर अपने लिए वोट मांग रहे हैं।

चुनाव प्रचार के दौरान अमरजीत सिंह मौजूदा विधायक की नाकामियों से आम जनता को अवगत कर रहे हैं, साथ ही उनकी क्षेत्र के विकास की क्या योजनाएं हैं, इसकी भी जानकारी मतदाताओं को दे रहे हैं। मंगलवार को उन्होंने वाकोला मस्जिद, सेंट एंथोनी रोड से लेकर रमा बाई और कदमवाड़ी तक पैदल यात्रा की। इस दौरान उन्होंने मतदाताओं से मिलकर समर्थन मांगा। उन्हें जनता का समर्थन भी मिल रहा है।

कालीना विधानसभा क्षेत्र से महायुति के उम्मीदवार अमरजीत सिंह को जिताने के लिए मंत्री और विधायकों ने जमीन पर उतरकर मोर्चा संभाल लिया है। भाजपा के मंत्री और विधायक क्षेत्र में जाकर प्रचार कर रहे है। इसी कड़ी में मंगलवार को अमरजीत सिंह के केंद्रीय चुनाव कार्यालय में योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह, महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह और विधायक राजहंस सिंह ने पदाधिकारियों और कार्यकताओं का मार्गदर्शन किया। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि चुनाव की तारीख नजदीक आ गई है, इसलिए हमें अपना समय न बर्बाद न करते हुए अपने उम्मीदवार को जिताने के लिए पूरी ताकत के साथ चुनाव में लग जाना है। इस दौरान उम्मीदवार अमरजीत सिंह, मुंबई भाजपा प्रवक्ता अजय सिंह, विधानसभा अध्यक्ष चंदू मोरे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विधायक क्षितिज ठाकुर ने वसई के गोगटे सॉल्ट की जमीन पर धारावी बसाने का किया विरोध

वसई। एशिया की दूसरी सबसे बड़ी झोपड़पट्टी के रूप में जानी जाने वाली धारावी का पुनर्विकास परियोजना पूरा करने के लिए, मुंबई के मुलुंड और कुर्ला में प्रस्तावित प्रोजेक्ट को स्थानीय नागरिकों ने विरोध किया है। अब इस परियोजना के दौरान स्थानांतरित होने वाले कई अपात्र निवासियों का पुनर्वास वसई पश्चिम के मीठागरों की जमीन पर कर, इस विशाल भूखंड को अदानी के हाथों में देने का प्रयास केंद्र सरकार कर रही है, ऐसी चौंकाने वाली जानकारी राजनीतिक सूत्रों से मिली है। राज्य सरकार और अदानी समूह द्वारा धारावी पुनर्विकास परियोजना प्राइवेट लिमिटेड (ऊम्रढछ) और धारावी पुनर्विकास परियोजना (ऊम्र) के तहत इस प्रोजेक्ट को सात वर्षों में पूरा करने का लक्ष्य है। फिर भी, वसई का 'धारावी' बनने के चलते इस पुनर्वास का बहुजन विकास आघाड़ी के विधायक क्षितिज ठाकुर ने विरोध किया है।

वसई शहर के पश्चिम में रेलवे स्टेशन के पास स्थित सोपारा, आचोले, नवघर-मानिकपुर, दिवानमान जैसे लगभग 1500 एकड़ का महाराष्ट्र सरकार के स्वामित्व वाली जमीन गोगटे सॉल्ट कंपनी को मीठागर और केमिकल प्लांट के लिए किराए पर दी गई थी। हालांकि, पहले करार के अनुसार केमिकल प्लांट नहीं बना और स्थानीय लोगों को नौकरियां भी नहीं मिलीं। इसके बाद कंपनी को फिर से समय सीमा बढ़ाने की अनुमति दी गई, लेकिन यह अवधि 2014 में समाप्त हो गई। तब सरकार से इस जमीन को कब्जे में लेकर वसई-विरार नगर निगम को हस्तांतरित करने का अनुरोध किया गया। ताकि बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स की तरह इस जमीन का विकास हो सके। इस संबंध में नालासोपारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक क्षितिज ठाकुर ने सरकार के समक्ष समय-समय पर अपनी मांगें रखी है।वसई-विरार क्षेत्र के विकास के लिए कई मेगा प्रोजेक्ट इस जमीन पर किए जा सकते हैं, जैसे मेडिकल कॉलेज, अस्पताल, स्टेडियम, थिएटर, आईटी पार्क आदि। इससे न केवल वसई-विरार क्षेत्र बल्कि पालघर और दहानू तक के लोग भी लाभ उठा सकते हैं, ऐसा दूरदृष्टि इस योजना के पीछे है।हालांकि, अब केंद्र सरकार ने यह जमीन धारावी पुनर्विकास योजना के दौरान स्थानांतरित किए जाने वाले अपात्र निवासियों के पुनर्वास के लिए उपयोग करने का निर्णय लिया है। इसके तहत राज्य में मीठागरों की जमीनें कब्जे में लेने के लिए केंद्रीय स्तर पर योजनाएं बनाई जा रही हैं। इस योजना के लागू होते ही वसई पश्चिम के लगभग 1500 एकड़ क्षेत्र पर अदानी के माध्यम से धारावी के निवासियों का पुनर्वास किया जाएगा। मगर विधायक क्षितिज ठाकुर ने वसई का 'धारावी' बनने के कारण इस तरह के पुनर्वास का विरोध किया है और उनकी मांग है कि इस जमीन का सुव्यवस्थित विकास हो।मुंबई में इस परियोजना का स्थानीय निवासियों ने विरोध किया है, जिसे स्थानीय नेताओं का भी समर्थन मिला है। अब वसई की जमीन के विकल्प के रूप में सामने आने के बाद अपात्र निवासियों का पुनर्वास एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है।

नजीब मुल्ला के चुनाव प्रचार में शामिल हुए सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे

ठाणे। हम महाविकास आघाडी से लड़ रहे हैं, हमें महायुती के प्रत्याशी नजीब मुल्ला को चुनना चाहते हैं. बदलाव लाने का समय. अगर आप क्षेत्र का कायाकल्प करना चाहते हैं तो यही अच्छा वक्त है. नजीब मुल्ला के सामने घड़ी का बटन दबाएं और उन्हें जिताएं। यह कहना है सांसद डॉ श्रीकांत शिंदे का, जो बीते दिन राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी नजीब मुल्ला के चुनाव प्रचार के लिए उपस्थित हुए थे. इस अवसर पर राष्ट्रवादी कॉंग्रेस प्रदेश प्रवक्ता, ठाणे व पालघर समन्वयक, ठाणे जिला अध्यक्ष आनंद परांजपे, शिवसेना उपनेता दशरथ पाटील, जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, विभागप्रमुख शाम पाटिल , शहरप्रमुख नरेंद्र शिंदे, पूर्व नगरसेवक उमेश पाटिल , मनोज लासे,विजया लासे,अनिता गौरी, गणेश कांबले , राष्ट्रवादी महिला जिलाध्यक्षा वनिता गोतपागर, शिवसेना पदाधिकारी राकेश पाटील, रचना पाटिल , सुनील पाटिल , सुनील गौरी आदी पदाधिकारी उपस्थित थे.

कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है: अनुराग ठाकुर

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि पार्टी का इतिहास टूटे वादों से भरा पड़ा है और हिमाचल प्रदेश के लोग उसे सत्ता में लाकर इसकी कीमत चुका रहे हैं। महाराष्ट्र मे 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के वास्ते भाजपा के प्रचार अभियान के लिए अनुराग राज्य में मौजूद हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि वे महाराष्ट्र को बचाना चाहते हैं तो महायुति को वोट दें। भाजपा नेता ने पत्रकारों से बात करते हुए महायुति द्वारा किए गए विकास का उल्लेख किया और कहा कि ईमानदार शासन और निरंतर प्रगति चाहने वालों के लिए यह एकमात्र विकल्प है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश के नागरिकों का विकास करने के वास्ते गारंटियों की लंबी सूची के साथ सत्ता में आई थी और इसके शासन के कई महीनों बाद भी लोग इन वादों के बारे में सोच रहे हैं कि ये कब पूरे होंगे। अनुराग ठाकुर ने कहा कि ऐसी एक भी पार्टी नहीं है जिसे कांग्रेस ने कभी धोखा नहीं दिया हो। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, कांग्रेस का इतिहास टूटे वादों और झूठे आश्वासनों से भरा पड़ा है और इस बार हिमाचल प्रदेश इसकी कीमत चुका रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिमाचल प्रदेश में सब्सिडी वाली बिजली, महिलाओं के लिए वित्तीय सहायता, सस्ता दूध और रोजगार सृजन का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन कांग्रेस के शासन के कुछ महीनों बाद ही हिमाचल के लोग हैरान हैं कि ये वादे कहां चले गए। ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश में 300 यूनिट मुफ्त बिजली देने का आश्वासन दिया था, लेकिन उसकी सरकार ने बिजली की खपत पर कर लगा कर भाजपा की 125 यूनिट मुफ्त बिजली देने की योजना को भी रोक दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणापत्र में महिलाओं को हर महीने 1,500 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया गया था, जिससे राज्य भर की 23 लाख महिलाओं को इसका लाभ मिलने का दावा किया गया था, लेकिन ठाकुर ने दावा किया कि जमीनी स्तर पर एक भी रुपया नहीं मिला है। उन्होंने कहा, यह उन महिलाओं के साथ एक क्रूर मजाक के अलावा कुछ नहीं है जिन्होंने उन पर भरोसा किया था। अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि उत्तरी राज्य में पांच लाख नौकरियां सृजन करने का कांग्रेस का वादा अभी तक पूरा नहीं हुआ है और यह सिर्फ कागजों पर लिखी बातें हैं।

ब्लू डार्ट ने दूसरी तिमाही के नतीजों की घोषणा की,सेल्स का आंकड़ा 1,448 करोड़ तक पहुँचा

मुंबई। दक्षिण एशिया में एक्सप्रेस एयर, इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्टेशन और डिस्ट्रीब्यूशन लॉजिस्टिक्स सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली प्रमुख कंपनी, ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड ने आज मुंबई में आयोजित अपनी बोर्ड की बैठक में 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा की। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त हुई तिमाही के लिए, कंपनी ने टैक्स चुकाने के बाद 60.76 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया। इसी अवधि के लिए, कंपनी को ऑपरेशंस से 1,448.46 करोड़ का रेवेन्यू प्राप्त हुआ। ब्लू डार्ट अपने एडवांस्ड ऑटोमेशन एवं टेक्नोलॉजी की मदद से बेमिसाल गुणवत्ता वाली सेवाएँ उपलब्ध कराता है, और यही इसके कारोबार के संचालन का आधार बनी हुई है, जो ग्राहकों को बड़े सहज तरीके से लॉजिस्टिक्स से जुड़ी सभी जरूरतों के लिए वन-स्टॉप सॉल्यूशन की पेशकश करता है। ब्लू डार्ट एक्सप्रेस लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, बॅलफर मैनुअल ने कंपनी के मौजूदा परफॉर्मेंस के बारे में अपनी राय जाहिर करते हुए कहा, ''इस तिमाही के दौरान, हमने रेवेन्यू में साल-दर-साल जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की, जिसे जाहिर होता है कि हमने स्थापित और उभरते दोनों क्षेत्रों में शानदार प्रदर्शन किया है। आय की क्षमता बढ़ने से हमें अपने नेटवर्क के दायरे को बढ़ाने के लिए सुनियोजित तरीके से निवेश करने में मदद मिली है, जिसमें अपनी सेवा पेशकशों को बढ़ाने और ग्राहकों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए नए एयरक्राफ्ट को अपनी फ्लीट का हिस्सा बनना भी शामिल है। इसके बाद, हम इ2इ और ई-कॉमर्स डिस्ट्रीब्यूशन के लिए स्ट्रैटेजिक ग्राउंड हब और डिलीवरी सेंटर के विकास में भी निवेश कर रहे हैं।

चांदिवली का विकास युद्ध स्तर पर होगा : मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे

मुंबई (उत्तरशक्ति)। हमारी सरकार आम लोगों के लिए काम करने वाली सरकार है। लोगों की जरूरतों को समझते हुए विकास कार्य कर रहे हैं और सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं। एक विधायक के रूप में दिलीप लांडे मामा ने हमेशा चांदीवली की लोगों की मांगों को मेरे सामने रखा है। उपरोक्त बातें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सोमवार की रात साकीनाका 90 फीट रोड स्थित सेन ज्यूड मैदान में चांदीवली विधानसभा से शिवसेना महायुति के उम्मीदवार दिलीप मामा के लिए आयोजित चुनावी सभा में कही। मुख्यमंत्री ने मोहिली गांव में ग्रीन बेल्ट (आरक्षण) रद्द किए जाने का आश्वाशन भी दिया जिससे कि यहां के लोगों की बड़ी समस्या हल हो सकेगी और विकास कार्य प्रशस्त होगी।मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने चांदीवली विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना महायुतिय के उम्मीदवार दिलीप लांडे के लिए आयोजित एक सार्वजनिक सभा में आश्वासन दिया है कि वह चौपाटी की तर्ज पर पवई झील का सौंदर्यीकरण करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि चांदीवली के लोकप्रिय उम्मीदवार लांडे मामा एक जादूगर हैं। चाँदीवली में लांडे मामा ने 41 हजार लाडली बहना योजना का लाभ दिलाया। इस योजना का लाभ सभी जाति और धर्म के लोगों को मिल रहा है, इसमें कोई भेदभाव नहीं है। मामा को आरपीआई राजरत्न आंबेडकर, शिव संग्राम स्वराज्य संग्राम संगठन, भानुशाली समाज का समर्थन मिला है। इस दौरान दिलीप लांडे ने कहा कि जो काम 20 साल में नहीं हुआ वह 3 साल में हो गया है और चुनाव के बाद बाकी काम होगा. इस दौरान एमआईएम के पदाधिकारी मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शिवसेना में शामिल हुए।

मंच पर प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश के राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव ,तानाजीराव शिंदे, भाजपा जिला अध्यक्ष सुषम सावंत,शिव सेना चांदीवली विधानसभा के विभाग प्रमुख अशोक माटेकर, महिला विभाग प्रमुख चंद्रप्रभा मोरे, पूर्व नगरसेवक ईश्वर तायडे, पूर्व नगरसेवक सीताराम तिवारी हरीश शुक्ला ,लीना शुक्ला, वाजिद कुरेशी, अरशद अमीर, राकांपा नेता सुरेंद्र सिंह युवा सेना कार्यकारिणी सदस्य प्रयाग लांडे सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

महायुति लोकसभा चुनाव में हुए नुकसान की करेगी भरपाई, विधानसभा चुनाव में विजयी होगी : देवेंद्र फडणवीस

पालघर। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां विधानसभा चुनाव विजयी बनकर उभरने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगी तथा लोकसभा चुनाव के दौरान हुए नुकसान की भरपाई करेंगी। राज्य में 20नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के सिलसिले में पालघर जिले में तीन स्थानों पर रैलियों में फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में चुनाव के बाद सत्ता में महायुति के लौटने पर उसकी सरकार कृषि ऋण माफ कर देगी। उन्होंने कहा, इस साल लोकसभा चुनाव में हमने जो भी नुकसान उठाया, उसकी हम भरपाई करेंगे। हमें विश्वास है कि महायुति गठबंधन सत्ता में बना रहेगा। भारतीय जनता पार्टी, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राकांपा के गठबंधन महायुति ने लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की कुल 48 में से केवल 17 सीट जीती थीं। उसके विपरीत कांग्रेस, शिवेसना (यूबीटी) और राकांपा (एसपी) के गठबंधन महा विकास आघाडी ने 30 लोकसभा सीट पर विजय हासिल की थी। भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 23 सीट जीती थी लेकिन 2024 के संसदीय चुनाव में उसकी सीट घटकर नौ पर आ गयी। फडणवीस ने कहा, राज्य में महायुति की सरकार बन जाने के बाद कृषि ऋण को माफ करने का निर्णय लिया जायेगा जिससे कृषि समुदाय के वित्तीय बोझ को दूर करने में मदद मिलेगी। वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि अगले पांच सालों तक किसानों को बिजली बिल से छूट दी जाएगी एवं एक समर्पित कंपनी उनके लिए 24 घंटे बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य में 2.5 करोड़ महिलाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने वाली लाडकी बहिन योजना महायुति सरकार में विपक्ष द्वारा इसे रोकने के प्रयासों के बावजूद जारी रहेगी। पालघर की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने प्रस्तावित वधावन बंदरगाह, बुलेट ट्रेन और तटीय सड़क परियोजनाओं के माध्यम से जिले को आगे लाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, इन परियोजनाओं से स्थानीय अर्थव्यवस्था को खूब बढ़ावा मिलेगा और पालघर के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

सना मलिक का जनसंपर्क अभियान युद्ध स्तर पर

महिलाएं कर रही हैं हर्षोल्लास के साथ स्वागत

मुंबई (उत्तरशक्ति)। अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र से राकांपा की उम्मीदवार सना मलिक की पदयात्रा युद्ध स्तर पर शुरू हो गई है। जगह-जगह उनका जोरदार स्वागत किया जा रहा है। अपनी पदयात्रा के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्या सुनी। सुबह उनकी जनसंपर्क अभियान की शुरूआत सह्याद्री नगर ए और बी, अशोक नगर, कस्तूरबा नगर और मॉडल हाई स्कूल से हुई, जबकि शाम को उन्होंने चिता कैंप से शमशान भूमि तक लोगों से मुलाकात की। पदयात्रा के दौरान लोगों ने सना मलिक का जोरदार स्वागत करते हुए उनके समर्थन में नारे लगाए और अपना पूरा समर्थन देने का इजहार किया। खासकर क्षेत्र की महिलाओं ने सना मलिक से अपने जज्बात का इजहार किया और उन्हें गले लगाकर अपना प्यार भेजा। महिलाओं का समर्थन पदयात्रा की शोभा को और बढ़ा दिया और यह साबित कर दिया कि सना मलिक के जनसमर्थन में कोई कमी नहीं है। सना मलिक ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी राजनीति का उद्देश्य सिर्फ जनता की सेवा करना है। उन्होंने अपने भाषण में यह दृढ़ निश्चय व्यक्त किया कि वे क्षेत्र के विकास के लिए पूरी कोशिश करेंगी और जनसमस्याओं को हल करने के लिए हर संभव कदम उठाएंगी। उनका कहना था कि हमें मिलकर अणुशक्ति नगर को एक आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाना है, जहां हर व्यक्ति को बेहतर जीवन की सुविधाएं मिलें। पदयात्रा के दौरान जनता का जो जोश और उत्साह देखा गया, वह इस बात का संकेत था कि लोग सना मलिक के नेतृत्व में बदलाव की उम्मीद रखते हैं। उनके नारे और समर्थन ने यह और स्पष्ट किया कि यह पदयात्रा सिर्फ चुनावी अभियान का हिस्सा नहीं था, बल्कि जनता के दिलों में बदलाव की लहर भी दौड़ चुकी है।

पदयात्रा के अंत में सना मलिक ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए उनसे अपील की कि वे 20 नवंबर को होने वाले चुनावों में पूरी तरह से भाग लें और अपनी वोट की ताकत दिखाएं। यह पदयात्रा एक सफल कार्यक्रम के रूप में समाप्त हुई, जिसमें जनता के समर्थन की एक नई मिसाल कायम की गई।

छात्र-छात्राओं ने तख्तियां प्रदर्शित कर मतदान के प्रति लोगों को किया जागरूक

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राज्य में 15वें विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार जोरों पर चल रहा है।. बड़ी संख्या में नागरिकों को वोट देने के लिए चुनाव आयोग द्वारा विभिन्न गतिविधियाँ क्रियान्वित की जा रही हैं। इसी तरह साकीनाका के समता विद्या मंदिर स्कूल के हजारों छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर नागरिकों से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। समता विद्या मंदिर स्कूल के सचिव राजेश सुभेदार, कार्यकारी अध्यक्ष ज्योति सुभेदार के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने सुबह 9 बजे क्षेत्र में रैली निकाली और नाटक प्रस्तुत किया. इस मौके पर छात्रों ने साकीनाका के परेरावाडी ,पाइप लाइन रोड पर रैली निकाली और नाटक किया।दस मिनट के इस नाटक में छात्रों ने नागरिकों से विधानसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने, और किसी के बहकावे में न आने की अपील करते हुए कहा कि आपका एक वोट लोकतंत्र को मजबूत करेगा। मोबाइल फोन, चैट करना बंद करो और इस समय वोट करो, मेरा वोट , मेरा अधिकार आदि नारे भी छात्रों द्वारा लगाया गया।

कांग्रेस के प्रदेश सचिव कैप्टन सत्यम ठाकुर की अगुवाई में निकली महाविकास आघाड़ी की मेगा बाइक रैली

वानगांव में उमड़ा युवाओं का सैलाब

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर विधानसभा सीट पर प्रत्याशियों के नामांकन के बाद से राजनीतिक दलों का शक्ति प्रदर्शन शुरू है। जनसभा, रैली और जनसंपर्क अभियान के माध्यम से महाविकास आघाड़ी के नेता अपने प्रत्याशियों पालघर विधानसभा सीट से जयेंद्र दुबला और बोईसर विधानसभा सीट से डॉक्टर विश्वास वलवी के लिए वोट मांग रहे हैं। इसी कड़ी में पालघर विधानसभा क्षेत्र में तटीय इलाको में महाविकास आघाडी की ओर से कांग्रेस के प्रदेश सचिव और राहुल गांधी के साथ भारत यात्री रहे कैप्टन सत्यम ठाकुर की अगुवाई में वानगांव से वरोर तक एक मेगा बाइक रैली निकाली गई। रैली करीब 20 गांवों से होकर निकली। रैली में युवाओं का सैलाब उमड़ने से पालघर में मशाल और धधक उठी। कैप्टन सत्यम ठाकुर और पालघर से शिवसेना (उद्धव बाला साहेब ठाकरे) के उम्मीदवार जयेंद्र दुबला ने महाविकास आघाड़ी के लिए लोगों से उनका समर्थन मांगा और मतदाताओं से मशाल चुनाव चिह्न पर वोट करने का आग्रह किया। इस दौरान कांग्रेस और शिवसेना सहित महाविकास आघाड़ी में शामिल पार्टियों का झंडा थामे युवा जोश से भरे दिखे। करीब 40 किलोमीटर चली बाइक रैली में शामिल युवाओं का जगह-जगह नागरिकों ने स्वागत किया। इससे साफ है कि लोगों को महाविकास आघाड़ी पर भरोसा है। बाइक रैली रविवार को वानगांव से शुरू हुई और इसका समापन शाम वारोर में हुआ। बाइक रैली खेतखाड़ी, कोमपाड़ा, रायपाडा, आसानगांव, माठगांव, चंडीगांव, वासगांव, ओसारा, धूमकेतु,वाढवन होते हुए वरोर में रैली का समापन हुआ। दहानू पंचायत समिति के उप सभापति पिंटू गहला, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के वरिष्ठ नेता सुरेंद्र पाटील सहित महाविकास आघाडी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में समर्थक शामिल हुए। बाइक रैली जैसे ही गांवों में पहुंची तो कई बुजुर्ग कांग्रेसी भी वहां पहुंच गए। वे हाथों में पंजा और मशाल थामे दिखे उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे के साथ कांग्रेस पार्टी के सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी मजबूती से महाविकास आघाड़ी की जीत के लिए हाथ में मशाल थामे खड़े है। कैप्टन सत्यम ठाकुर,प्रदेश सचिव कांग्रेस (भारत यात्री) ने बोलते हुए कहा कि शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे को लेकर लोगों में सहानभूति व्याप्त है। वही ट्रिपल इंजन सरकार के कुशासन से जनता त्रस्त होकर कराह रही है। पिछड़े, दलित, आदिवासियों और मछुआरों के हकों को डकारने वाली महायुति सरकार से लोग चुनावों बाद सदैव के लिए मुक्ति ले लेंगे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* संरक्षकः सुरेश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** विश्व समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

अनियंत्रित ट्रैक्टर 10 फिट गहरे गड्ढे में गिरने से चालक की मौत

♦ नवरात्रि में लिया था नया ट्रैक्टर

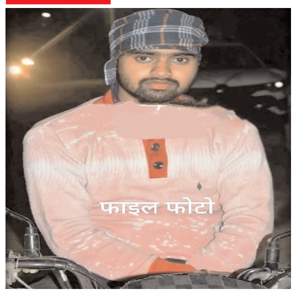

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के खलसहा निवासी सूरज यादव 22 वर्ष पिता स्वर्गीय लक्ष्मण यादव बीती रात लगभग 11:00 बजे अपना ट्रैक्टर लेकर सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के जमीनपकड़ी गांव में किसी कृषि कार्य के लिए गया था वही आते समय ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया जिसको सूरज यादव ने स्टेयरिंग पर बैठे हुए नियंत्रित नहीं कर पाया और ट्रैक्टर समेत वह 10 फीट गड्ढे में जा गिरा। स्थानीय लोगों ने अपने निजी वाहन से उसे घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने देखते ही उसे मृत करार कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घरवालों ने बताया कि वह नवरात्रि मे अपना नया ट्रैक्टर निकलवाया था वहीं मौत की खबर सुनते ही परिवार में कोहराम मच गया है।

सड़क हादसे में महिला की मौत, तीन घायल

धर्मेन्द्र कुमार शर्मा

बदलापुर,जौनपुर(उत्तरशक्ति। महिला की मृत्यु हो गई, जबकि बोलेरो में सवार तीन लोग घायल

कोतवाली क्षेत्र के दाऊदपुर गांव के पास शाहगंज हाइवे पर सोमवार की शाम अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आने से पैदल जा रही हो गए। जानकारी के मुताबिक दाऊदपुर गांव निवासी करीब 70 वर्षीय रेशमा तिवारी दूध लेकर घर वापस आ रही थी। घर के थोड़ी दूर पहले ही शाहगंज की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो अनियंत्रित होकर महिला को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना स्थल से भागने की चक्कर में बोलेरो चालक ने सामने जा रही बाइक को भी टक्कर मार दिया। जिससे बोलेरो हाइवे पर ही पलट गई। वही बोलेरो में सवार तीन लोग घायल हो गए। मौके पर एकत्रित लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बदलापुर पहुंचाया गया। जबकि घायलों की पहचान महेश शुक्ला रत्नेश शुक्ला अनिल शुक्ला के रूप में की गई।

खेलकूद से बच्चों का होता है शारीरिक एवं मानसिक विकास: क्षेत्राधिकारी

बदलापुर जौनपुर(उत्तरशक्ति)। कोतवाली क्षेत्र के शाहपुर गांव में स्थित उमा वैजयंती पब्लिक स्कूल में फुटबॉल, बालीबॉल आदि खेल का आयोजन किया जा रहा है।बच्चों ने खेल की विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस दौरान बच्चों में गजब का उत्साह नजर आ रहा था। स्कूल के शिक्षक भी बच्चों का हौसला बढ़ा रहे थे। खेल से मानसिक के साथ शारीरिक विकास भी होता है, कार्यक्रम के उदघाटन के दौरान क्षेत्राधिकारी ने कहा कि लगातार पढ़ाई के दौरान कई बार तनाव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। ऐसे में खेल तनाव को दूर करने का बेहतर माध्यम है। उन्होंने कहा कि खेल से बच्चों का मानसिक के साथ-साथ शारीरिक विकास भी होता है और बच्चें स्वस्थ महसूस करते हैं।इस अवसर पर प्रभाकर चतुवेर्दी, अशोक शुक्ल, रेनू सिंह, केके मिश्र, जितेंद्र यादव, धनन्जय मौर्य, मीना शुक्ला, आरती सिंह, सुषमा सिंह उपस्थित रहीं। संचालन प्रधानाचार्य दिनेश मिश्र ने किया।

तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का उद्घाटन मंगलवार को क्षेत्राधिकारी प्रतिमा वर्मा के द्वारा किया गया किया। कार्यक्रम के तहत विभिन्न प्रकार के खेल जैसे एथलेटिक्स, कबड्डी, हॉकी, खो-खो, कुश्ती,

योग निद्रा से जागे श्री हरि विष्णु, आज से शुरू होंगे मांगलिक कार्य

डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। प्रबोधिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु योग निद्रा से जागते हैं। इसके साथ ही मांगलिक कार्यों की शुरूआत होती है। लग्न के अनुसार शादी-विवाह के आयोजन होते हैं। इस दिन लोग उपवास के साथ ही गंगा स्नान कर पुण्य के भागी बनते हैं। वहीं माता तुलसी का विवाह शालिग्राम से कराने का भी विधान है। ऐसी मान्यता है कि तुलसी विवाह कराने से सुख-शांति आती है। काशी के अस्सी घाट पर आस्थावानों ने स्नान ध्यान और पूजा की। साथ ही तुलसी और शालिग्राम का विवाह कराया। महिलाओं ने सबसे पहले स्नान किया उसके बाद विधि विधान के साथ तुलसी और शालिग्राम का विवाह कराया। भगवान से सुख समृद्धि की कामना की। हजारों की संख्या में महिलाएं अस्सी घाट पर पहुंची थी। पूजा संपन्न होने के बाद श्रद्धालु पंडे-पुरोहितों व भिखारियों को दान कर पुण्य के भागी बने। जानिये क्या है मान्यता अस्सी घाट तीर्थ पुरोहित पंडित बलराम ने बताया कि एकादशी का विशेष दिन विष्णुजी,

कराया जाता है माता सीता का विवाह

मां लक्ष्मी और तुलसी माता की पूजा के लिए समर्पित माना जाता है। इस दिन तुलसी माता का भगवान शालिग्राम से विवाह बड़े धूमधाम से कराया जाता है। धार्मिक मान्यताओं अनुसार तुलसी विवाह कराने से परिवार में सुख-शांति आती है। साथ ही परिवार की सभी समस?याएं दूर हो जाती हैं। इतना ही नहीं तुलसी विवाह कराने से दुर्भाग्य से भी छुटकारा मिलता है। अविवाहित लड़कियों को तुलसी विवाह कराने से मनचाहे वर की प्राप्ति होती है। पद्मपुराण में भगवान शालिग्राम का वर्णन मिलता है। शालिग्राम को भगवान विष्णु का निराकार और विग्रह रूप

माना जाता है। यह पत्थर नेपाल के गंडक नदी तल के भीतर पाया जाता है। इसी स्थान पर सालग्राम नामक मंदिर है। इस मंदिर में भगवान विष्णु के इस रूप की पूजा की जाती है। वहीं से इस पत्थर का नाम शालिग्राम पड़ा। पुराण के 33 तरह के शालिग्राम के रूप का वर्णन किया गया है। इन अवतारों में से 24 भगवान विष्णु के अवतार माने जाते हैं। यदि भगवान शालिग्राम के पत्थर का आकार गोल होता है तो ये गोपाल रूप माना जाता है। यदि वहीं मछली का आकार होता है तो शालिग्राम भगवान का ये मत्स्य अवतार का प्रतीक माना जाता है। पौराणिक कथाएं बताती हैं कि एक वक्त था, जब सारे देवता जालंधर नाम के राक्षस से खासे परेशान थे। इस असुर से छुटकारा पाने के लिए जगत के पालनहार भगवान विष्णु के पास पहुंचे और उन्हें जालंधर के अत्याचार से मुक्ति दिलाने के लिए कहा। विचार विमर्श के बाद समाधान निकला कि अगर जालंधर की पत्नी वृंदा के सतीत्व को नष्ट कर दिया जाए तो जालंधर का अंत हो जाएगा। तब वृंदा के सतीत्व को नष्ट करने के लिए भगवान विष्णु ने जालंधर का रूप धारण किया और वृंदा को स्पर्श कर दिया जिससे वृंदा का पतिव्रत धर्म खंडित हो गया। इसके साथ ही दैत्य जालंधर की सारी शक्तियां क्षीण हो गई और महादेव ने जालंधर का वध कर दिया।

प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तरीय महिला खेल समारोह के अन्तर्गत प्रदेश स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन 20 से 22 नवम्बर 2024 तक आगरा में किया जायेगा। उक्त प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक महिला खिलाड़ियों का जनपद स्तरीय चयन/ट्रायल्स 14 नवम्बर 2024 इन्दिरा गांधी स्टेडियम सिद्दीकपुर तथा मण्डल स्तरीय चयन/ट्रायल्स 18 नवम्बर 2024 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी में पूर्वान्ह 10 बजे से किया जायेगा। प्रतिभागी महिला खिलाड़ियों की उम्र 25 वर्ष से कम होना आवश्यक है। चयन परीक्षण में इच्छुक प्रतिभागी महिला खिलाड़ी को अपने साथ मूल आयु प्रमाण पत्र लेकर आना अनिवार्य है।

सामाजिक संस्था ने अहम योगदान देने वालों को किया सम्मानित

बख्तियार आलम, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुस्लिम एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया था संस्था के एक साल मुकम्मल होने पर संस्था में अपना बढ़-चढ़कर योगदान देने एवं संस्था के हर काम को बखूबी अंजाम देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया जिसमें द्वितीय स्थान पर रहे मुजाहिरुद्दीन उर्फ (मुन्ने) के जौनपुर आगमन पर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए संस्था के संचालकों का धन्यवाद किया और साथ ही कहा कि संस्था बहुत नेक काम कर रही है मैं हमेशा नेक काम में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए तैयार रहूंगा। इस मौके पर बख्तियार आलम शाहिद अख्तर एवं चुन्ने मौजूद रहे।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत छात्राओं को सिखाया आत्म रक्षा का गुर

वी.टी.गर्ल्स इण्टर कॉलेज में 40 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

मोहम्मद अफजल

खेतासराय,जौनपुर(उत्तरशक्ति)। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत छात्राओं को आत्मरक्षा के लिए ताइक्वांडो का प्रशिक्षण दिया जा रहा है जिसका उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना है साथ ही उनमें आत्मरक्षा के गुणों को विकसित करना है ताकि वे किसी भी आपातकालीन स्थिति में खुद की रक्षा कर सकें। चालीस दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के नौवें दिन मंगलवार को अनुभवी अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक संजीव साहू व प्रज्ञा तिवारी ने लड़कियों को ताइक्वांडो की विभिन्न तकनीकों से परिचित कराया। उन्हें शारीरिक फिटनेस के महत्व के साथ-साथ आत्मरक्षा के तौर-तरीके भी सिखाएं गए। छात्राओं ने इस प्रशिक्षण में पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी सुरक्षा के प्रति आत्मविश्वास महसूस किया। इस अवसर प्राचार्य विनय सिंह ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बेटियों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा, यह आवश्यक है कि हमारी बेटियाँ न केवल शिक्षा में बल्कि आत्मरक्षा में भी सक्षम हों। ऐसे प्रशिक्षण से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग होती हैं। इस प्रशिक्षण का आयोजन नगर व गाँव के विभिन्न स्कूलों और संस्थानों में किया जाना चाहिए, इससे लड़कियाँ अपनी सुरक्षा को लेकर जागरूक और सक्षम हो रही हैं। अंत में प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्या सुनीता मिश्रा ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से समाज में बेटियों की सुरक्षा को लेकर सकारात्मक बदलाव आएगा। इस दौरान मुख्य रूप से विभा पाण्डेय, नीलेन्द्र अस्थाना, सफिया खान समेत आदि लोग उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में मृत युवक के पिता ने उच्च अधिकारियों से लगाई न्याय की गुहार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। मछलीशहर मीरगंज दुर्घटना में नौजवान बेटे की मौत से गमजदा वृद्ध पिता की प्राथमिकी दर्ज करना तो दूर, पुलिस उल्टा सुलह का दबाव बना रही है। सोमवार को मृतक मोहम्मद सालिम के 3 छोटे बच्चों के साथ दीवानी न्यायालय पहुंचे मृतक के पिता ने पुलिस अधीक्षक, मुख्यमंत्री सहित अन्य उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। तत्पश्चात एक्सीडेंट क्लेम ट्रिब्यूनल जाकर ट्रक मालिक के खिलाफ क्षतिपूर्ति का दावा भी दाखिल किया है। रिपोर्ट के अनुसार 8 नवंबर 2024 को घर से प्रतापगढ़ मोटरसाइकिल से जा रहे बदलापुर के देवरिया निवासी मोहम्मद सालीम (38 वर्ष) की विपरीत दिशा से तेज गति से आ रही ट्रक नंबर यूपी 62 बीटी/0105 की टक्कर से महाराजगंज के लोहिंदा चौराहे के पास मौत हो गई थी। मृतक के पिता अब्दुल कयूम ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि दुर्घटना करने वाली ट्रक दुर्घटना के बाद थाना महाराजगंज में खड़ी है। लेकिन पुलिस ट्रक मालिक के नाजायज दबाव में आकर प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रही है, बल्कि सुलह का दबाव बना रही है। पुलिस यह कह रही कि अगर मुकदमे में सुलह नहीं करोगे तो जांच में सारी गलती तुम्हारे बेटे की दिखाकर फाइनल रिपोर्ट लगा देंगे। पुलिस के उच्च अधिकारी सहित मृतक के पिता ने सीएम योगी तक लिखित गुहार लगाई है।

प्रोजेक्ट मिलने पर शिक्षकों को कुलपति ने किया सम्मानित

शिक्षकों को शोध के लिए मिली है 14 रिसर्च ग्रांट

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय शोध परियोजना पाने पर परिसर के शिक्षकों को सम्मानित किया. विश्वविद्यालय विभिन्न विभागों के शिक्षकों को हाल ही में उच्च शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार की रिसर्च डेवलपमेंट एवं सेंटर ऑफ एक्सीलेंस तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा कुल 14 रिसर्च ग्रांट मिली है। इस अवसर पर कुलपति प्रो वंदना सिंह ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि वे अपने शोध कार्य के सभी प्रमुख उद्देश्यों को पूरा करें। उन्होंने सुझाव दिया कि सभी शिक्षक मिलकर एक बहु-विषयक टीम बनाएं और भारत के परंपरागत विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर नए शोध प्रस्ताव तैयार करें। जिससे की पौराणिक विज्ञान के अनछुए पहलुओं को तथ्यपरक तरीके से दुनिया के सामने लाया जा सके` प्रो वंदना सिंह ने शोध पत्रों के प्रकाशन के साथ-साथ पेटेंट प्रकाशन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया, ताकि शोध कार्य को संरक्षित किया जा सके। विश्वविद्यालय इस दिशा में वित्तीय सहायता प्रदान करने के प्रयास में भी जुटा हुआ है, जिससे पेटेंट प्रक्रिया को सुगम बनाया जा सके। इस अवसर पर वित्त अधिकारी एवं कुलसचिव ने शिक्षकों को शोध कार्यों की सराहना करते हुए शोध के क्षेत्र में विश्व पटल पर अपना नाम अंकित करने के लिए प्रेरित किया। प्राप्त अनुदान के अंतर्गत विश्वविद्यालय में थर्मोइलेक्ट्रिक डिवाइसेस, कालीन उद्योग से निकलने वाले अपशिष्ट पदार्थों के शोधन, नदियों मे व्याप्त हेवी मेटल्स, सेन्सर टेक्नॉलजी, हाइड्रोजन एनर्जी, ग्रीन लूब्रीकैन्ट, सोडीअम आयन बैटरी, कॉम्प्लेक्स मेनीफोल्ड जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में शोध होगा` कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक प्रो॰ गिरिधर मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रो॰ रामनारायण, प्रो॰ राजेश शर्मा, प्रो॰ अजय द्विवेदी, प्रो॰ देवराज सिंह, प्रो॰ प्रमोद यादव, डॉ॰ मनीष गुप्ता, डॉ॰ पुनीत धवन, डॉ॰ धीरेन्द्र चौधरी, डॉ॰ सुजीत चौरसिया, डॉ॰ काजल कुमार डे, डॉ॰ नीरज अवस्थी, डॉ॰ दिनेश कुमार वर्मा, डॉ॰ सुशील शुक्ला, डॉ॰ शशिकांत यादव, डॉ॰ श्याम कन्हैया आदि उपस्थित रहे।

बीएचयू में 1400 सीटों पर पीएचडी में होंगे दाखिले

बुलेटिन में जुड़ेंगी चारों कॉलेजों की सीटें

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के बीएचयू में 1400 सीटों पर पीएचडी में एडमिशन होंगे। एनटीए ने बीएचयू के परीक्षा नियंता विभाग को एमओयू का प्रोफॉर्मा भेज दिया है। इस पर आधिकारिक कार्रवाई चल रही है। इसके भरकर जाते ही एनटीए नेट-जेआरएफ अभ्यर्थियों का डेटा शेयर करेगा। इसमें 10 से 15 दिन लगने का अनुमान है। इस बार संबद्ध कॉलेजों की 150 से ज्यादा सीटों को बढ़ाकर बुलेटिन जारी की जाएगी। फिलहाल, इन सीटों की संख्या परीक्षा नियंता कार्यालय को नहीं मिली हैं, लेकिन एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कॉलेजों के हर एक शिक्षक को एक-एक पीएचडी स्कॉलर देने का फैसला लिया गया है। जबकि, इससे पहले हर एक कॉलेज से सिर्फ पांच ही पीएचडी छात्रों को एडमिशन दिया जाता था। एनटीए ने अभी तक किसी भी विश्वविद्यालय को नेट-जेआरएफ क्वालिफाइड अभ्यर्थियों का डेटा शेयर नहीं किया है। परीक्षा नियंता कार्यालय की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, 10-15 दिन के बाद ही बुलेटिन जारी होने का अनुमान है। 10 हजार अभ्यर्थी भरते हैं फॉर्म बीएचयू से पीएचडी आवेदन करने वाले 10 हजार अभ्यर्थियों का इंतजार बढ़ता ही जा रहा है। पिछले महीने 18 तारीख को नेट-जेआरएफ का परिणाम घोषित हुआ था। उसके बाद एनटीए को एमओयू के प्रोफॉर्मा और क्वालिफाइड अभ्यर्थियों का डेटा बीएचयू को भेजना था, लेकिन देरी होते जा रही है। जेआरएफ का चयन इंटरव्यू के आधार पर बीएचयू में पीएचडी एडमिशन की प्रक्रिया हर बार से अलग है।

इस सत्र में बीएचयू के रेट (रिसर्च एंट्रेंस टेस्ट) के बजाय एनटीए की परीक्षा के आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। बीएचयू में दो आधार पर एडमिशन होगा। जेआरएफ और दूसरा नेट क्वालिफाइड या जो पीएचडी के योग्य हो। जेआरएफ का चयन इंटरव्यू में मिले अंकों के आधार पर होगा। वहीं, नेट या पीएचडी के लिए क्वालिफाइड अभ्यर्थियों का चयन नेट और इंटरव्यू के अंक को मिलाकर होगा।

घर से वाराणसी के लिए निकले किशोर का संदिग्ध अवस्था में लखनऊ में मिला शव

रियाजुल हक क्राइम रिपोर्टर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद पुलिस ने पूछताछ के लिए दो युवकों को लिया हिरासत

में जौनपुर घर से ननिहाल के लिए निकले एक किशोर की संदिग्ध अवस्था में लाश लखनऊ में मिली है। ननिहाल के लिए घर से निकले 16 वर्ष के एक किशोर की लाश लखनऊ में पाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से बताया गया है कि जफराबाद थाना क्षेत्र के टकटकपुर गांव निवासी मुनीब कुमार चौहान का 16 वर्षीय पुत्र किशन कुमार चौहान अपने कुछ साथियों के साथ तीन दिन पूर्व अपने ननिहाल वाराणसी के लिए निकला था। उसका ननिहाल वाराणसी जनपद के सिंधोरा थाना क्षेत्र के फतेहपुर गांव बताया गया है। तीन दिन से लापता रहे इस युवक के ननिहाल ना पहुंचने पर परिवार के लोगों ने खोजबीन शुरू किया तो सोमवार को पता लगा कि उसकी लाश लखनऊ में मिली है। उसके साथ गए साथियों ने मृतक युवक के घर वालों को बताया कि उसे करंट मार दिया है जिसके कारण उसकी मृत्यु हो गई है। जैसे ही इस बात की जानकारी परिजनो को हुई परिजन लखनऊ के लिए रवाना हो गए और वहां से लाश लेकर सीधे जाफराबाद थाने पर पहुंचे और पुलिस को पूरी जानकारी दी। पुलिस ने उस किशोर के साथ गए युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ पुलिस ने मौत का सही कारण जानने के लिए लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

अर्टिगा कार से बाइक सवार की जोर दार टक्कर से एक की मौत, दूसरा गम्भीर रूप से घायल

प्रियेश गुप्ता रुद्र

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के सुजानगंज मार्ग पर रायपुर उकनी गांव के निकट रात के करीब 9 बजे बाइक और आर्टिका कार के बीच हुई आमने-सामने की जोरदार टक्कर में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भयंकर थी कि आस-पास के लोग दौड़ते हुए मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पवारा थाना क्षेत्र के दाखिनिया गांव निवासी 23 वर्षीय प्रदीप तिवारी और उनके पड़ोसी 32 वर्षीय ओम प्रकाश तिवारी बाइक से सुजानगंज मार्ग पर अपने घर जा रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक राघव महाविद्यालय के पास पहुंची, सामने से आ रही तेज रफ्तार आर्टिका कार से उनकी जोरदार भिड़ंत हो गई। टक्कर के बाद दोनों युवक गंभीर रूप से घायल है सूचना मिलने के बाद सतहरिया चौकी इंचार्ज गंगा सागर मिश्र पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को एंबुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतहरिया में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान प्रदीप तिवारी की देर रात मौत हो गई। वहीं, ओम प्रकाश तिवारी का इलाज जारी है। मौत की खबर मिलने बाद परिजनों और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। सतहरिया चौकी इंचार्ज गंगा सागर मिश्र ने बताया कि मृतक प्रदीप तिवारी का शव कब्जे में लेकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। बाइक और आर्टिका दोनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है और घटना की जांच शुरू कर दी है।

विकास खण्ड बदलापुर में 13 नवम्बर 2024 को रोजगार मेला का आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश के क्रम में बहुराष्ट्रीय सुरक्षा कम्पनी एस0आई0एस0 द्वारा 13 नवम्बर 2024 से 07 दिसम्बर 2024 तक ब्लाकवार विभिन्न तिथियों में पंजीयन हेतु रोजगार मेला कैम्प का आयोजन किया जा रहा है, तत्क्रम में 13 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे विकास खण्ड बदलापुर परिसर जौनपुर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है। जिसमें भर्ती हेतु सुरक्षाकर्मियों का पंजीयन शिविर आयोजित किया जायेंगा जिनकी शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, बी0ए0 एवं लम्बाई 168 से0मी0, सीना 80 से 85 से0मी0 तथा आयुसीमा 19 से 40 वर्ष के बीच, अभ्यर्थी का वजन 56 से ज्यादा व 90 से कम होना अनिवार्य हैं।अभ्यर्थी प्रतिभाग कर अर्हता पूर्ण करते हुए रोजगार प्राप्त कर सकते है।जिला सेवायोजन अधिकारी ने अवगत कराया है कि रोजगार मेला में सम्मिलित होने के लिए अभ्यर्थियों को अपने साथ समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की छायाप्रति आई0डी0प्रुफ सहित एवं वेब पोर्टल https://rojgaarsangam.up.gov.in पर जॉब सीकर के रूप में पंजीकरण उपरांत आवेदन करते हुए रोजगार हेतु अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें।

जिले में बढ़ा डेंगू का कहर

सरकारी आंकड़े के मुताबिक रोज आ रहे 10 से 25 मरीज

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। डेंगू का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक आंकड़े के मुताबिक आज आठ और लोगों की डेंगू रिपोर्ट पॉजिटिव आई, जिससे जिले में कुल संक्रमितों की संख्या बड़कर अब 488 पहुंच गई है। हालांकि, स्वास्थ्य विभाग का दावा है कि ठंड बढ़ने पर डेंगू का प्रकोप धीरे-धीरे समाप्त हो जाएगा। जिला मलेरिया अधिकारी (डीएमओ) डॉ. सुनील कुमार यादव ने जानकारी दी कि अब तक 401 मरीज डेंगू से स्वस्थ हो चुके हैं।जबकि 80 मरीजों का फिलहाल इलाज चल रहा है। इनमें से दस मरीज जिला अस्पताल में भर्ती हैं। डेंगू के मामले जिले के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों से लगातार सामने आ रहे हैं। करंजाकला ब्लॉक में 58, बदलापुर में 27, खुटहन में 22, धमार्पुर में 20, सिरकोनी में 19, और सोंधी में 12 लोग डेंगू से पीड़ित हो चुके हैं। वहीं, शहरी क्षेत्र में 248 लोग संक्रमित हो चुके हैं। सिपाह में 18, चौकियां में 17, चाचकपुर में 12, लाइनबाजार में 12, और कोरोपट्टी में 10 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। ठंड बढ़ने पर खत्म होगा प्रकोप डीएमओ डॉ. सुनील यादव का कहना है कि नवंबर का महीना बीतते-बीतते डेंगू के मामलों में कमी आने लगेगी, क्योंकि तापमान में गिरावट डेंगू के मच्छरों की गतिविधि को सीमित कर देगी। फिर भी, विभाग ने सतर्कता बरतने और बचाव के उपाय जारी रखने का आह्वान किया है। फिलहाल, स्वास्थ्य विभाग डेंगू के बढ़ते प्रकोप को नियंत्रित करने के लिए सक्रिय है और प्रभावित क्षेत्रों में निरंतर निगरानी और जागरूकता अभियान चला रहा है।

पद्म श्री कैलाश खेर ने दिव्य स्किनकेयर ब्रांड परम अमृत का अनावरण किया

नई दिल्ली। अग्रणी लक्जरी आयुर्वेदिक स्किनकेयर ब्रांड परम अमृत ने नई दिल्ली के प्रतिष्ठित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में अपना भव्य शुभारंभ किया। प्रसिद्ध गायक और पद्म श्री पुरस्कार विजेता कैलाश खेर, जो ब्रांड के संस्थापक डॉ. नूतन खेर के भाई हैं, ने गहन रूप से जड़े आयुर्वेदिक उत्पादों की पहली श्रृंखला का अनावरण करके कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस कार्यक्रम को आध्यात्मिक गुरु श्री बाबा स्वामी अमृतानंद जी की उपस्थिति से और भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने अपना आशीर्वाद और अंतर्दृष्टि प्रदान की। उनकी भागीदारी ने लॉन्च में एक गहन आध्यात्मिक आयाम जोड़ा। परम अमृत मंत्र औषधि की प्राचीन प्रथा को आधुनिक त्वचा देखभाल में एकीकृत करके खुद को अलग करता है। चरक संहिता में प्रलेखित आयुर्वेद की आधारशिला, यह प्रतिष्ठित परंपरा शक्तिशाली मंत्रों के जाप के माध्यम से जड़ी-बूटियों को शक्तिशाली आध्यात्मिक ऊर्जा से भरने पर जोर देती है। ब्रांड के पीछे दूरदर्शी डॉ. नूतन खेर ने बताया, "परम अमृत प्रकृति के तत्वों की गहरी शक्ति को अपनाने के बारे में है। हमारे सावधानीपूर्वक तैयार किए गए प्रत्येक उत्पाद केवल कायाकल्प से परे हैं, जो मन और आत्मा को आंतरिक शांति और सद्भाव के लिए प्रकृति की ऊर्जा के साथ जोड़ते हैं। यह लॉन्च खेर परिवार के लिए एक भावनात्मक घर वापसी थी। पद्म श्री कैलाश खेर ने इस भूली हुई परंपरा को पुनर्जीवित करने के लिए अपनी बहन के समर्पण पर बहुत गर्व व्यक्त किया। उन्होंने साझा किया, डॉ. नूतन खेर को परम अमृत के माध्यम से प्राचीन आयुर्वेद को आधुनिक दुनिया में वापस लाते हुए देखना मुझे बहुत गर्व से भर देता है। यह यात्रा त्वचा की देखभाल से परे है - यह हमारी समृद्ध विरासत को संरक्षित करने के बारे में है।

श्री बजरंग इंटर कॉलेज के बच्चों ने वाद विवाद प्रतियोगिता में मारी बाजी

जौनपुर। जनपद के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान श्री बजरंग इंटर कॉलेज, घनश्यामपुर के चार बच्चों ने जिला स्तरीय वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। आज विद्यालय प्रांगण में चारों बच्चों अश्वनी उपाध्याय, अंशिका सिंह, भूमिका दुबे तथा शिक्षा पांडे का विद्यालय परिवार की तरफ से अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य विनोद तिवारी, कमला प्रसाद तिवारी बड़े बाबू, वरिष्ठ शिक्षक मयाशंकर तिवारी, शशि भूषण तिवारी, राजेश मिश्रा, संजय तिवारी, रामसागर सिंह, हृदय प्रकाश तिवारी, रमाशंकर शुक्ल, अजीत सिंह,अशोक तिवारी , संतोष चतुवेर्दी, प्रदीप सिंह, स्वतंत्र कुमार शुक्ल, शेर बहादुर मौर्य,अनिल कुमार उपाध्याय , संतोष तिवारी, प्रज्ञा मिश्रा, दीपिका पांडे, संजय कुमार चतुवेर्दी, राघवेंद्र प्रताप सिंह समेत सभी शिक्षक उपस्थित रहे। कॉलेज के प्रबंधक अनिल सिंह ने विजेता बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए प्रिंसिपल और शिक्षकों को बधाई दी है।

भारत रत्न डॉ अंबेडकर अवार्ड से सम्मानित शिवपूजन पांडे का सम्मान

जौनपुर। प्राथमिक शिक्षक संघ, जौनपुर द्वारा पिछले महीने मुंबई में महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में भारत रत्न डॉक्टर अंबेडकर अवार्ड मिलने पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे का सम्मान किया गया। बदलापुर के खंड शिक्षा अधिकारी अरविंद पांडे और प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष अनिल यादव द्वारा उन्हें शॉल ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिला महामंत्री रायसाहब यादव, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष प्रमोद यादव, प्रदेश मीडिया प्रभारी सच्चिदानंद तिवारी, आनंद तिवारी नंदकिशोर यादव, बृजेश यादव, गौरव यादव, विमल यादव समेत अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

मैजिकब्रिक्स ने साइट विजिट प्रोडक्ट लॉन्च किया

मुंबई। बढ़ती आवासीय मांग के जवाब में, भारत के नंबर 1 रियल एस्टेट प्लेटफॉर्म, मैजिकब्रिक्स ने अपना नया साइट विजिट प्रोडक्ट लॉन्च किया है, जो प्रॉपर्टी साइट विजिट्स को आसान बनाते हुए डेवलपर्स की बिक्री को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया है। साइट विजिट प्रोडक्ट घर खरीदारों और डेवलपर्स दोनों के लिए महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करता है। कई खरीदार व्यस्त दिनचर्या के कारण अपनी आदर्श संपत्ति का चयन करते समय कई प्रॉपर्टीज का दौरा नहीं कर पाते। दूसरी ओर, डेवलपर्स को गंभीर रुचि रखने वाले ग्राहकों को प्रभावी रूप से संलग्न करने में कठिनाई होती है। यह प्रोडक्ट खरीदारों की विशेष जरूरतों के अनुसार विशेषज्ञ परियोजना सिफारिशों से शुरू होकर एक समग्र अनुभव प्रदान करता है। बजट, स्थान और कॉन्फि गरेशन जैसे कारकों पर विचार करके, मैजिकब्रिक्स खरीदारों की प्राथमिकताओं के अनुरूप संपत्तियों की एक शॉर्टलिस्ट तैयार करता है। इसके अलावा, यह प्रोडक्ट लॉजिस्टिकल सपोर्ट भी प्रदान करता है, जिससे खरीदारों के लिए चयनित प्रॉपर्टीज का दौरा करना आसान हो जाता है। पहले चरण में, इस प्रोग्राम ने भारत भर में 350+ प्रोजेक्ट्स के लिए 16,000 से अधिक साइट विजिट्स को सुगम बनाया है और एक वर्ष से भी कम समय में 1,000+ बुकिंग्स पूरी की हैं।

डा. संतोष प्रजापति को जन्म दिन पर लोगों ने दी बधाई

नालासोपारा। नालासोपारा-वसई में अपने कार्यकुशल व सामाजिक क्षेत्रों में अहम भूमिका निभाने व एक अलग छवि बनाने वाले डा. संतोष प्रजापति को आज उनके जन्म दिवस पर जोगों ने बधाई दी। बधाई देने वालों में उनके सगे संबंधियों के साथ-साथ इष्ट मित्रों, सामाजिक संगठनों के लोगों ने उन्हें लम्बी आयु की शुभकामनाएं दी। बता दें कि डा. संतोष अखिल प्रजापति कुम्भकार समाज के राष्ट्रीय संयोजक भी है।

टीकाकरण के माध्यम से रोकथाम योग्य बीमारी के खिलाफ एकजुट

मुंबई। हमारे पड़ोसी देशों अफगानिस्तान और पाकिस्तान में हाल ही में पोलियो का प्रकोप पोलियोमाइलाइटिस के खिलाफ लड़ाई में सतर्क रहने की निरंतर आवश्यकता की याद दिलाता है। पोलियो, एक अत्यधिक संक्रामक रोग है जो मुख्य रूप से मल-मुंह मार्ग से फैलता है, अक्सर पांच साल से कम उम्र के बच्चों को प्रभावित करता है, जिससे पक्षाघात होता है और गंभीर मामलों में मृत्यु हो जाती है। भारत की महत्वपूर्ण प्रगति और पोलियो मुक्त होने के 12 वर्षों के बावजूद, पोलियो दुनिया के अन्य हिस्सों में एक खतरा बना हुआ है, जिससे किसी भी पुनरुत्थान को रोकने के लिए निरंतर उच्च टीकाकरण दर की आवश्यकता को बल मिलता है।

डॉ. प्रकाश वैद्य, सीनियर कंसल्टेंट पीडियाट्रिक्स, फोर्टिस हॉस्पिटल, मुलुंड, मुंबई, बताते हैं, पोलियो के खिलाफ लड़ाई सिर्फ टीके लगाने से कहीं आगे तक जाती है - यह एक लचीला समाज बनाने के बारे में है जो स्वास्थ्य को महत्व देता है और प्राथमिकता देता है। निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आईपीवी), जब अनुशंसित अंतराल पर दी जाती है, तो पोलियो के शून्य प्रतिशत जोखिम के साथ आजीवन ढाल के रूप में कार्य करती है, खासकर हमारे सबसे युवा और सबसे कमजोर लोगों के लिए। टीकाकरण केवल एक चिकित्सीय एहतियात नहीं है। यह हम सभी के लिए एक स्वस्थ, सुरक्षित भविष्य में एक निवेश है। पोलियो उन्मूलन में भारत की सफलता की कहानी लगातार और व्यापक टीकाकरण अभियान के माध्यम से हासिल की गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि पिछले रिपोर्ट किए गए मामले से पहले के वर्षों में भारत में 172 लाख से अधिक बच्चों को हर साल पोलियो वैक्सीन की लगभग एक अरब खुराक दी जाती थी। हालाँकि, चूंकि पोलियो अभी भी अन्य देशों में मौजूद है, इसलिए यह आवश्यक है कि भारत वैश्विक यात्रा के माध्यम से पुनः शुरू होने से बचाने के लिए अपने टीकाकरण प्रयासों को जारी रखे। आवश्यक निरंतर सतर्कता पर विचार करते हुए, डॉ. वैद्य कहते हैं, भारत का पोलियो मुक्त मील का पत्थर एक जबरदस्त उपलब्धि है, लेकिन हम आत्मसंतुष्टि बर्दाश्त नहीं कर सकते। चूंकि पोलियो अभी भी अन्य क्षेत्रों में सक्रिय है, भारत में दी जाने वाली वैक्सीन की प्रत्येक खुराक वायरस से आगे रहने की हमारी प्रतिबद्धता की याद दिलाती है। मजबूत टीकाकरण प्रथाओं को बनाए रखना ही सुरक्षित भविष्य को पुनः टीकाकरण के जोखिम से अलग करता है। इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स एडवाइजरी कमेटी ऑन वैक्सीन्स एंड इम्यूनाइजेशन प्रैक्टिसेज (आईएपी एसीवीआईपी) अनुशंसित टीकाकरण कार्यक्रम का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर देती है। इसमें मौखिक पोलियो वैक्सीन (ओपीवी) की जन्म खुराक, 6, 10 और 14 सप्ताह पर एक निष्क्रिय पोलियो वैक्सीन (आईपीवी), इसके बाद 16-18 महीने पर बूस्टर और फिर 4-6 साल पर बूस्टर शामिल है।

भाजपा प्रत्याशी राजन नाईक को मिल रहें समर्थन से विपक्ष में निराशा का माहौल: शिवकुमार शुक्ला

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा विधानसभा से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशी राजन नाईक की सभा में और रैलियों में हजारों की संख्या में भीड़ को देखकर विपक्षियों में तहलका मच गया है। नालासोपारा विधानसभा सत्ता परिवर्तन की राह पर चल रहा है, भले ही प्रत्याशी अपनी अपना दावा ठोक रहे हैं। लेकिन लड़ाई त्रिकोणी है। वहीं भाजपा के सचिव शिवकुमार शुक्ला ने कई हजार मतों से जीत का दावा कर रहे हैं। उनका कहना है कि 35 वर्षों में वसई विरार शहर में विकास के नाम पर व्यापार करने वाले को अब घर बैठने का समय आ गया है। प्रत्याशी राजन नाइक के प्रचार सभा में भारी संख्या में जनता उपस्थित दर्ज करा रही है।और पदयात्राओं में भारी भीड़ देखने को मिल रही है। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष विनीत तिवारी, उपाध्यक्ष जे पी सिंह, सचिव शिवकुमार शुक्ला, हौशिला प्रसाद पांडे, सुनील तिवारी, नरेंद्र दुबे, अरुण श्रीवास्तव सहित स्थानीय महिला व पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भाजपा का साथ दे रहे हैं। यह जानकारी दैनिक उत्तर शक्ति के पत्रकार आनंद कुमार मिश्रा ने दी है।

मारुति सुजुकी ने लॉन्च की नई Dzire

ठाणेः कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में एक नया बेंचमार्क स्थापित करते हुए, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने आज, शानदार नई Dzire को पेश किया है। मारुति सुजुकी के पोर्टफोलियो में सबसे सफल और प्रतिष्ठित ब्रांड्स में से एक के रूप में, Dzire ने देशभर में 27 लाख से ज?यादा ग्राहकों का भरोसा हासिल किया है। शानदार नई Dzire को इसकी विरासत और बेजोड़ स्टाइल, आराम और विश्वसनीयता की मजबूत नींव पर फिर से तैयार किया गया है। अपनी प्रगतिशील डिजाइन, आलीशान टू-टोन इंटीरियर्स और सेगमेंट फर्स्ट फीचर्स की श्रृंखला के साथ, शानदार नई Dzire एक विशिष्ट और प्रीमियम अनुभव प्रदान करती है। युवा और समझदार लोगों के लिए तैयार की गई, जो कारों को अपने व्यक्तित्व के प्रतिबिंब के रूप में देखते हैं, नई Dzire का उद्देश्य परफॉर्मेंस, सॉफिस्टिकेशन और कम्फर्ट के साथ स्टाइल को सहजता से एकीकृत कर एक गेम-चेंजर बनना है। नेक्स्ट जेने- Z-Series इंजन के साथ, नई मारुति सुजुकी Dzire भारत की सबसे अधिक ईंधन कुशल सेडान के रूप में बेजोड़ मूल्य प्रदान करने का वादा करती है। इस लॉन्च पर बोलते हुए, पार्थो बनर्जी, सीनियर एक्जीक्यूटिव ऑफिसर, मार्केटिंग एंड सेल्स, मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, ने कहा, 27 लाख से ज्यादा ग्राहकों के भरोसे के साथ, मारुति सुजुकी Dzire, 2008 में लॉन्च के बाद से, अपने सेगमेंट में सबसे ज्यादा बिकने वाली सेडान रही है। नई Dzire युवा, महत्वाकांक्षी, 'थ्राइवर' के लिए, जो अलग-अलग विकल्पों के साथ अपना एक अलग स्टेटमेंट बनाना चाहते हैं, विशेषरूप से तैयार किए गए अनुभवसों की पेशकश करने के हमारे अथक प्रयासों का प्रमाण है।

भाजपा नेता बाबूभाई भवानजी सड़क दुर्घटना में घायल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ भाजपा नेता और मुंबई के पूर्व उप महापौर बाबू भाई भवानजी गत दिनों हुई एक सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। इस हादसे में उनके एक पैर में फ्रैक्चर हो गया है। बताया जाता है कि भवानजी गत दिनों वडाला विधानसभा सीट के भाजपा उम्मीदवार कालीदास कोलंबकर के चुनाव प्रचार के बाद रात में अपने घर लौट रहे थे कि भोईवाड़ा इलाके में एक कार ने उन्हें टक्कर मार दिया। इस घटना में उनके एक पैर में फैक्चर हो गया है। इस घटना के बाद डाक्टरों ने उन्हें कुछ दिन आराम करने की सलाह दी थी। लेकिन डॉक्टर की सलाह को नजरअंदाज करके वे दूसरे दिन से ही भाजपा और महायुति के उम्मीदवारों के लिए सघन प्रचार अभियान चला रहे हैं। बता दें कि विधान सभा चुनाव में भवानजी का भाजपा और महायुति के उम्मीदवारों के समर्थन में झंझावाती प्रचार अभियान जारी है। नए नए तरीके से प्रचार अभियान चलाने के लिए प्रसिद्ध भवानजी ने इस बार प्रभावी प्रचार के लिए अनोखा तरीका ढूंढ निकाला है। भवानजी विशेष करके वडाला के भाजपा उम्मीदवार कालीदास कोलंबकर, सायन कोलीवाडा के भाजपा उम्मीदवार कैप्टन तमिल सेलवनऔर दादर/ माहीम के उम्मीदवार सदासरवंकर के लिए सघन प्रचार अभियान चला रहे हैं। उन्होंने इस बार यह योजना बनाई है कि प्रत्येक बिल्डिंग में रहने वाले एक कार्यकर्ता को उसी बिल्डिंग में प्रचार करने और वहां के वोटरों को बूथ तक लाने की जिम्मेदारी दी जा रही है। उस कार्यकर्ता को उस बिल्डिंग का मतदाता यदि दिया जाएगा(पन्ना प्रमुख) और वह अपनी टीम बनाएगा। गौरतलब है कि भवानजी ने पार्टी के प्रचार के लिए अनेक चित्र गीत भी तैयार किया है। प्रचार अभियान में जब ये गीत बजते हैं तो कार्यकताओं में जोश आ जाता है। ये गीत भाजपा सरकारों की उपलब्धियों पर आधारित हैं। बता दें कि हाल ही में भवानजी ने दादर में हॉकरों, पूर्व सैनिकों, व्यापारियों और कच्छ /गुजरात के प्रवासियों की अलग अलग सभा बुलाकर उन्हें भाजपा के प्रचार अभियान में जुटे हुए हैं।

रघु वामसी ग्रुप ने यूके के पीएमसी ग्रुप को अधिग्रहित किया

मुंबई। रघु वामसी ग्रुप, हैदराबाद में स्थित यह उद्योग समूह बोइंग, जीई एविएशन, हनीवेल, रोल्स रॉयस, कोलिन्स एयरोस्पेस, हैलीबर्टन, ईटन, साइटिवा आदि विश्व स्तर की ओईएम के लिए हाई प्रिसिजन और बहुत महत्वपूर्ण घटकों, सब-असेंबली और सिस्टम्स का एक टियर वन निमार्ता है। इस उद्योग ने तेल और गैस उद्योग में इस्तेमाल किए जाने वाले कम्पोनेंट्स में विशेषज्ञता रखने वाली, यूके की एक प्रमुख प्रिसिजन मशीनिंग कंपनी पीएमसी ग्रुप का सफल 100% अधिग्रहण किया है। रघु वामसी ग्रुप ने पीएमसी ग्रुप का अधिग्रहण करके, अपने वैश्विक विस्तार को आगे बढ़ाने और दुनिया भर के महत्वपूर्ण उद्योगों को हाई-प्रिसिजन उत्पाद और समाधान प्रदान करने में मूल्य श्रृंखला को उन्नत करने की क्षमताओं को बढ़ाने के विजन को पूरा करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम उठाया है। प्रिसिजन मशीनिंग में पीएमसी ग्रुप की निपुणता और हैदराबाद में रघु वामसी ग्रुप की आधुनिक विनिर्माण सुविधाएं उत्पाद नवाचार में अधिक तालमेल को बढ़ावा देंगी और तेल और वायु क्षेत्र और कई अन्य क्षेत्रों के लिए उन्नत अभियांत्रिकी समाधान प्रदान करके हाई प्रिसिजन उत्पादों के बहुत बड़े सेगमेंट को सेवाएं प्रदान करेगी। भारत और यूके की संयुक्त ताकतें ग्राहकों के लिए लागत-कुशल और उच्च प्रिसिजन समाधान लेकर आएंगी। रघु वामसी ग्रुप के एमडी वामसी विकास ने कहा, ररघु वामसी परिवार में पीएमसी ग्रुप का स्वागत करते हुए हमें बहुत खुशी हो रही है। हम उत्साहित हैं कि यह अधिग्रहण हमारी मजबूत विनिर्माण क्षमताओं को पीएमसी ग्रुप की प्रिसिजन मशीनिंग में निपुणताओं के एक साथ जोड़कर हमारे वैश्विक विस्तार को बढ़ाने और हाई प्रिसिजन उत्पादों के और भी बड़े सेगमेंट को सेवाएं प्रदान करने में मदद करेगा।

मनुष्य के कर्मों से ही मिलता है सुख-दुख : प्रेम भूषण जी महाराज

जौनपुर(उत्तरशक्ति) ।बीआरपी इण्टर कॉलेज के मैदान में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के पावन संकल्प से प्रायोजित सात दिवसीय रामकथा के तीसरे दिन कथा शुरू होने से पहले मुख्य यजमान ज्ञान प्रकाश सिंह ने सपरिवार व्यासपीठ का पूजन किया और भगवान की आरती उतारी। तत्पश्चात कथा शुरू हुई। अंतरराष्ट्रीय कथावाचक प्रेमभूषण जी महाराज ने कहा कि सतयुग और त्रेता में धरती पर किसी भी मनुष्य की अकाल मृत्यु नहीं होती थी। मनुष्य के कर्मों के आधार पर द्वापर युग से अकाल मृत्यु की घटनाएं प्रारंभ हुई और अब कलयुग में इतना विस्तार हो गया है कि जन्म लेने वाला जातक कितने दिनों तक धरती पर रहेगा इसकी कोई गारंटी नहीं है। व्यासपीठ से महाराज ने धनुष भंग यज्ञ और भगवान के विवाह की कथा का मार्मिक ढंग से चित्रण करते हुए कहा कि कलयुग में मनुष्य के धरती पर आने और जाने का कोई समय तय नहीं है। माता-पिता के सामने ही पुत्र अथवा पुत्री की अकाल मृत्यु हो जाती है। हमारे सद्ग्रंथ बताते हैं कि जीव के अपने कर्म ही उसके प्रारब्ध का निर्माण करते हैं। भगवान की माया प्रकृति मनुष्य को नचाती है। मनुष्य के अपने हाथ में कुछ भी नहीं है फिर भी वह लोगों से उलझता चलता है, अभियान में रहता है। 4 दिन की जिंदगी है सबसे प्रेम मोहब्बत करके जीवन यापन करना चाहिए क्योंकि इस जिंदगी का कोई भरोसा नहीं है, कब सांसें थम जाए। जाने के बाद सिर्फ उसका कीर्ति का ही गान होता है। महाराज ने कहा कि इस युग में भी भगवान की भक्ति करने वालों भक्तों की कमी नहीं है। भक्त को किसी को अपना परिचय नहीं बताना पड़ता है। आहार-विहार और व्यवहार से भक्त के बारे में स्वयं पता चल जाता है। जैसे नशेड़ी समय निकालकर अपना नशा कर लेते हैं वैसे ही भक्त भी किसी भी समय अपने भगवान का भजन कर लेते हैं। महाराज जी ने कहा कि निरंतर भजन में रहने वालों की कभी मृत्यु नहीं होती है वह अपनी कीर्ति से कुल परंपरा का निर्माण करते हैं और संसार में अमर हो जाते हैं। महाराज जी ने कहा कि सनातन परंपरा में विवाह संस्कार को समाज का मेरुदंड बताया गया है। सत्कर्म सोचने से नहीं होता है। सत्कर्म के लिए सोचने वाले सोचते रह जाते हैं लेकिन करने वाला उस कार्य को पूरा कर ले जाता है। मनुष्य को अपने जीवन में अपने कर्म को हमेशा धर्म सम्मत करने की आवश्यकता होती है। महाराज जी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में सुख और दुख दोनों का आना निश्चित है। एक आता है तो एक चला जाता है। दुख हो या सुख, दोनों ही कर्मों के अनुसार ही मनुष्य के जीवन में आता है। यह कथा सेवा भारती के बैनर तले चल रही है। इस मौके पर एमएलसी विद्यासागर सोनकर, माध्यमिक शिक्षक संघ ठकुराई गुट के संरक्षक रमेश सिंह, प्रधानाचार्य डॉ. राकेश सिंह, डॉ. प्रमोद श्रीवास्तव, जितेंद्र यादव, डॉ. वेदप्रकाश, अमित सिंह, माउंट लिट्रा जी स्कूल के निदेशक अरविंद सिंह, शिवा सिंह, शिक्षक नेता दीपक सिंह, रजनीश श्रीवास्तव, जूनियर शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अरुण सिंह, मुरली पाल सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

अभिमन्यु बिंद ने बिंद समाज विकास संघ की सदस्यता ग्रहण की

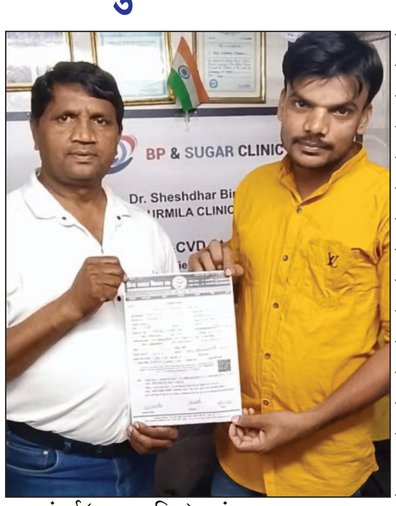

मुंबई(उत्तरशक्ति) मंगलवार को बिंद समाज विकास संघ के जनसंपर्क कार्यालय दादर मुंबई में संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ शेषधर बिंद के द्वारा अभिमन्यु साहब लाल बिंद ने संघ के समिति सदस्यता ग्रहण की। अभिमन्यु बिंद ग्राम सभा डुहिया सुंदरपुर, पोस्ट चक सुंदरपुर, गोपीगंज भदोही उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। यह वत्सलताई नायक नगर कुर्ला मुंबई महाराष्ट्र में रहकर एक प्राइवेट कंपनी में काम करते हुए अपने परिवार का पालन पोषण करते हुए मुंबई और अपने गांव जिले के स्वजातीय एवं गैर स्वजातीय बंधुओ से मिलजुल कर रहना, उनके सुख-दुख में शामिल होना उनके हर कार्यों में शामिल होकर हर क्षेत्र में समाज सेवा का कार्य करते रहना इनकी सुंदर छवि रही है।

अभिमन्यु बिंद ने बताया की बिंद समाज विकास संघ हमें अपना सदस्य बना कर देश हित समाज हित में काम करने के लिए एक अच्छा अवसर दिया है। मैं संघ के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं आस्वस्थ करता हूं कि संघ के नीति एवं नियमों के अनुसार संघ के साथ कदम से कदम मिलाकर चलूंगा और देश सहित समाज हित में जो भी कार्य होगा उस कार्य को करने में अहम भूमिका निभाऊंगा। उन्होंने संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को धन्यवाद दिया।

साइकिल प्योर अगरबत्ती ने अयोध्या में 121 फीट ऊंची अगरबत्ती जलाकर इतिहास रच दिया

मुंबई। भारत के प्रमुख घरेलू पूजा ब्रांड साइकिल प्योर अगरबत्ती ने रघुकुल फाउंडेशन के साथ मिलकर अयोध्या के भरतकुंड महोत्सव में 121 फीट की शानदार अगरबत्ती जलाकर भव्यता, दिव्यता और मनमोहक सुगंध के साथ अयोध्या के दिव्यता में एक नया सोपान जोड़ा है। सात दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्घाटन अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी और कमांडो अधिकारी आशुतोष तिवारी द्वारा अपनी तरह की सबसे बड़ी अगरबत्ती जलाकर किया गया। इस साल की शुरूआत में, अयोध्या राम मंदिर के उद्घाटन के दौरान, साइकिल प्योर ने मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा का जश्न मनाने के लिए मैसूर में 111 फीट की अगरबत्ती बनाई थी, जिसे प्रसिद्ध मूर्तिकार अरुण योगीराज की माँ सुश्री सरस्वती ने जलाया था। प्रकाश समारोह में सांस्कृतिक गौरव और आध्यात्मिक महत्व को दशार्या गया, जिसका उद्देश्य महोत्सव को आनंद, एकता और पारिवारिक सद्भाव के संदेश से समृद्ध करना था। उद्घाटन समारोह में बोलते हुए, अयोध्या के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अशोक कुमार सैनी ने कहा, भरतकुंड महोत्सव के इस विशेष अवसर का भाग बनना सम्मान की बात है, यह एक ऐसा उत्सव है जो हमारी सांस्कृतिक विरासत और आध्यात्मिकता के सार को दशार्ता है। साइकिल प्योर अगरबत्ती और रघुकुल फाउंडेशन द्वारा तैयार की गई 121 फीट की अगरबत्ती भक्ति और एकता का एक शक्तिशाली प्रतीक है। इस तरह की महत्वपूर्ण पहल का समर्थन करना एक सौभाग्य की बात है। साइकिल प्योर अगरबत्ती की 121 फीट ऊंची उत्कृष्ट कृति को 18 कुशल व्यक्तियों की एक समर्पित टीम ने 23 दिनों में तैयार किया है। इसमें शुभ दशांगाः शहद, कोनेरी गेडे, घी, चंदन पाउडर, गुग्गुल, अगरु, संब्रानी, देवदारु, लोबान और सफेद सरसों के साथ-साथ चारकोल, जिगत और गुड़ जैसी चुनिंदा सामग्रियों का उपयोग किया गया है। निर्माण प्रक्रिया में साइकिल प्योर की विशेषज्ञ टीम द्वारा तैयार की गई एक अनूठी तकनीक शामिल है। इस अवसर पर साइकिल प्योर अगरबत्ती के एमडी अर्जुन रंगा ने कहा, आध्यात्मिकता को अपने मूल में रखते हुए, हम कलाकार समुदाय के उत्थान और लोगों के जीवन में आशा लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।